राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार 23 जुलाई 2024 वर्ष-7,अंक-180 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केरल में निपाह, गुजरात में चांदीपुरा और महाराष्ट्र में जीका.....वायरस का ट्रिपक अटैक

एक्शन में आया केंद्र राज्यों को मदद के लिए तैयार टीम

नई दिल्ली ।

केरल में निपाह, गुजरात में चांदीपुरा और महाराष्ट्र में जीका का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुजरात में चांदीपुरा वायरस से 27 लोगों की मौत हुई है। वहीं केरल में निपाह वायरस की चपेट में आने से 14 वर्षीय लड़के की मौत हो गई, जबकि महाराष्ट्र में जीका वायरस के 28 मामले मिले हैं। तीन राज्यों में तीन अलग-अलग वायरस के अटैक से केंद्र हेल्थ एजेंसियां एक्शन में आ गई हैं। केंद्र ने राज्य में मामले की जांच करने, महामारी पर लगाम लगाने और तकनीकी सहायता देने में केरल, महाराष्ट्र और गुजरात की मदद के लिए एक बहु-सदस्यीय प्रतिक्रिया टीम तैनात करने का फैसला लिया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि केरल में 14 वर्षीय लड़के की मौत हुई है। पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी को भेजे गए सैंपल में निपाह वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। मृतक के संपर्क में आए लोगों की पहचान और पड़ोस में रहने वाले लोगों की टेस्टिंग के भी निर्देश दिए गए हैं। इन सभी लोगों का पता लगाने के बाद उन्हें 12 दिन क्वारंटाइन में रखने का भी आदेश दिया है।

वायरस की हाई-रिस्क कैटेगरी में 101 लोग

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि मृतक लड़के के छह दोस्तों और 68 वर्षीय एक व्यक्ति के नमूने नेगेटिव आए। मंत्री ने कहा कि छह दोस्त लड़के के सीधे संपर्क में थे, लेकिन 68 वर्षीय व्यक्ति सीधे संपर्क में नहीं था। उनका ब्लड सैंपल इसलिए कराया था, क्योंकि उन्हें बुखार था। फिलहाल 14 वर्षीय लड़के के संपर्क में आए 330 लोग शामिल हैं, जिसमें से 68 स्वास्थ्य कर्मी हैं। साथ ही हाई-रिस्क कैटेगरी में 101 लोगों रखा गया है।

गुजरात में चांदीपुर वायरस

वहीं, गुजरात में चांदीपुरा वायरस तेजी से फैल रहा है। अब तक इसके 71 संदिग्ध मामले आ चुके हैं, जबकि 27 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के 23 जिलों में वायरस के संदिग्ध केस मिले हैं। इसमें साबरकांठा में 8, अरावली में 4, महिसागर में 2,खेड़ा में 5, मेहसाणा में 4, राजकोट में 2, सुरेंद्रनगर में 2, अहमदाबाद शहर में 4, गांधीनगर में 5,पंचमहल में 11,जामनगर में 5, मोरबी में 4, गांधीनगर शहर में 2, छोटा उदयपुर में 2, दाहोद में 2, वडोदरा में 1, नर्मदा में 1, बनासकांठा में 02, वडोदरा शहर में 01, भावनगर में 1, देवभूमि द्वारका में 1, राजकोट निगम में 1, कच्छ में 1, साबरकांठा में 1, अरावली में 2, मेहसाणा में 2, गांधीनगर में 1, पंचमहल में 1, मोरबी में 1 और वडोदरा में 1 मरीज चांदीपुरा वायरस से संक्रमित पाया गया है। गुजरात के 71 संदिग्ध मामलों में 27 मरीजों की मौत हो चुकी है। इसमें साबरकांठा में 2, अरावली में 3, महिसागर में 1, मेहसाणा में 2, राजकोट में 2, सुरेंद्रनगर में 01, अहमदाबाद शहर में 3, गांधीनगर में 1, पंचमहल में 4, मोरबी में 3, गांधीनगर निगम में 1, दाहोद में 2, वडोदरा में 1 और देवभूमि द्वारका में बी 1 मरीज की मौत हुई है। गुजरात में 41 मरीज भर्ती हैं और 3 मरीज अब तक ठीक हो चुके हैं।

मुंबई में जीका वायरस के 34 केस

महाराष्ट्र में अब तक जीका के 34 मामले आए हैं, जिसमें पुणे जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां 19 जुलाई तक 28 मामले सामने आए हैं। राज्य सरकार सक्रिय रूप से वायरस के प्रकोप को रोकने की कोशिश कर रही है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि वायरस से प्रभावित जिलों में हर 3 से 5 किलोमीटर पर केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। जो क्षेत्रों में सर्वे और बुखार के मामले सामने आने पर तुरंत पहचान के लिए ब्लड सैंपल ले रहे है। गर्भवती महिलाओं और माताओं के भी ब्लड सैंपल लेकर जीका वायरस के लिए टेस्ट किया जा रहा है, क्योंकि गर्भावस्था के दौरान जीका वायरस संक्रमण भ्रूण और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाल सकता है।

पहला कॉलम

भारत सुखोई विमानों को करेगा अपग्रेड, 2055 तक भर सकेंगे उड़ान

कई खूबियों के साथ पांचवी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को देंगे टक्कर

नई दिल्ली। भारत अपने सुखोई-30एमकेआई लड़ाकू विमानों को और शक्तिशाली बनाने में जुटा है। रक्षा मंत्रालय ने 84 सुखोई जेट को और शक्तिशाली बनाने के लिए करीब 63,000 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी है। इन लड़ाकू विमानों को अपग्रेड के बाद ये सुखोई जेट अगले 30 साल तक आसमान में दुश्मनों को धूल चटा सकेंगे। इसमें जेट में अडवांस्ड रडार, बेहतर इलेक्ट्रॉनिक्स, लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार और मल्टी-सेंसर फ्यूजन जैसी कई खूबियां होगी। इसके बाद ये सुखोई जेट पांचवी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को टक्कर दे सकेंगे। सूत्र ने बताया कि ये अपग्रेडेड सुखोई जेट 2055 तक उड़ान भर सकेंगे। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के पास 30 लड़ाकू स्क्वाड्रन हैं, जबकि उसे चीन और पाकिस्तान दोनों से निपटने के लिए 42 स्क्वाड्रन की जरूरत है। हर स्क्वाड्रन में 16-18 जेट होते हैं। ऐसे में इन सुखोई जेट का अपग्रेड होना ज़रूरी है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) अगले 15 सालों में 84 सुखोई जेट को अपग्रेड करेगा। सीसीएस से मंजूरी मिलने के बाद, इसके डिजाइन और विकास में सात साल का समय लगेंगे। इसके बाद जेट को बैचों में अपग्रेड करके वायुसेना में शामिल कर लिया जाएगा।

बिहार में सामान्य से 25 फीसदी कम बारिश

पटना । बिहार में कई दिनों से उमस भरी गर्मी से लोग परेशान थे। अब लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विज्ञान केंद्र ने प्रदेश के 26 जिलों में हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है। मोतिहारी और मधेपुरा में सोमवार सुबह हल्की बारिश हुई। इसके अलावा बगहा में भी सोमवार को तेज बारिश हुई। वहीं रक्सौल में काले बादल छाए हैं। हालाकि रज्य में अब तक 25 फीसदी कम बारिश हुई है। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव तो पूर्वी बिहार पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना है। इन दोनों कारणों से बिहार में मानसून की रफ्तार कुछ तेज होने के आसार हैं। बिहार में अब तक 25 फीसदी और पटना में 45 फीसदी कम बारिश हुई है। अगले दो से तीन दिनों में मानसून के एक्टिव होने की संभावना है। हालांकि अधिकतम तापमान में बदलाव की उम्मीद नहीं है। वहीं पटना में एक सप्ताह के बाद रविवार को हल्की बारिश हुई जिससे उमस भरी गर्मी से कुछ राहत मिली।

पिकनिक मनाने गया परिवार नदी में फंसा, चार घंटे की मशक्कत के बाद बचाया

सीहोर। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के अमरगढ़ वाटर फॉल में पिकनिक मनाने गए भोपाल के एक ही परिवार के पांच लोग नदी में आई बाढ़ में फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद रात में सभी को सुरक्षित बचा लिया गया। भोपाल के एयरपोर्ट रोड स्थित इंद्रप्रस्थ कॉलोनी निवासी माहेश्वरी परिवार के पांच लोग जिले के शाहगंज स्थित अमरगढ़ वाटर फॉल झरने में रविवार को पिकनिक मनाने के गए थे। मूसलाधार बारिश के चलते नदी का जलस्तर बढ़ गया और दोनों ओर से रास्ता बंद हो गया। इसके चलते पूरा परिवार पानी के बीच फंस गया। झरने का पानी नदी में बढ़ जाने से पानी का बहाव ज्यादा हो गया और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा। आनन-फानन में पुलिस-प्रशासन को सूचना दी गई। भारी बारिश के बीच पुलिस-प्रशासन और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कार्य शुरु किया। करीब चार घंटे से ज्यादा चले रेस्क्यू के बाद अशोक महेश्वरी (61), निशा महेश्वरी (58), सुभम महेश्वरी (32), सुरुचि (30), यश महेश्वरी (28) को देर रात करीब 11 बजे सुरक्षित निकाल लिया गया।

यूपी के बाद अब पश्चिम बंगाल में पटरी से उतरी ट्रेन, सुधार कार्य जारी

कोलकाता। रेल दुर्घटनाओं मे दिन ब दिन इजाफा होता जा रहा है। हाल ही में दो रेल हादसों से पूरा रेल प्रशासन हिल गया था अभी उससे उबरे भी नहीं थे कि अब पश्चिम बंगाल में एक और हादसा हो गया है। यहां रानाघाट में एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हादसे की खबर मिलते ही मौके पर रेलवे के अधिकारी पहुंच गए। बोगियों को पटरियों पर लाने का प्रयास शुरु कर दिया। पिछ्ले एक हफ्ते में चौथी घटना है। इससे पहले शनिवार को यूपी में अमरोहा रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ था। तीन दिन में यूपी में यह दूसरी ऐसी घटना है। गुरुवार शाम को गोंडा में एक यात्री ट्रेन के आठ डिब्बे पटरी से उतर गए, जिसमें चार यात्रियों की मौत हो गई थी कई घायल हो गए थे। बता दें कि यूपी के गोंडा में गुरूवार को एक एक्सप्रेस ट्रेन हादसे का शिकार हो गई। चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जाने वाली ट्रेन गोंडा में स्टेशन को क्रॉस करने के बाद हादसे का शिकार हो गई। इस हादसे में चार यात्रियों की मौत हो गई। जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। लगातार हो रहे हादसों से एक बार फिर रेल मंत्रालय की पोल खुल गई है।

आज होगा बजट पेश, स्टार्टअप को फंडिंग की कमी दूर होने, टैक्स में रियायत की उम्मीद

नई दिल्ली।

मंगलवार को देश का आम बजट पेश किया जाएगा। इस वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सदन के पटल पर रखेंगी। इस बजट से लोगों को काफी उम्मीदें हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि से लेकर इंडस्ट्री के हर सेक्टर में स्टार्टअप का महत्व बढ़ता जा रहा है। इन्हें बढ़ावा देने के लिए विशेषज्ञों ने फंडिंग की कमी दूर करने, टैक्स में रियायत देने, स्किल डेवलपमेंट और आरएंडडी को बढ़ावा देने जैसे सुझाव दिए हैं। स्पेस सेक्टर में भारतीय स्टार्टअप के बढ़ते कदम को देखते हुए कंपोनेंट पर जीएसटी खत्म करने और अलग प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) की सिफारिश भी की गई है।

बता दें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी में पेश अंतरिम बजट में स्टार्टअप के लिए कई घोषणाएं की थीं। कर छूट के लिए स्टार्टअप गठित करने की अवधि 31 मार्च 2025 तक बढ़ा दी गई थी। उससे पहले के बजटों में भी स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए कई कदम उठाए गए। इसके बावजूद पिछले दो सालों में नए स्टार्टअप का गठन धीमा हुआ है, उनमें निवेश में कमी आई है और अनेक स्टार्टअप ने बड़े पैमाने पर छंटनी भी की है।

इस्पा ने ड्रोन और उसके कंपोनेट के लिए पीएलआई योजना की तरह अंतरिक्ष-ग्रेड के कंपोनेंट की मैन्युफैक्चरिंग के लिए भी पीएलआई की मांग की है। इसका कहना है कि इससे मेक इन इंडिया अभियान के तहत घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने और निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी। भारत में पंजीकृत न्यूस्पेस स्टार्टअप की संख्या 400 को पार कर गई है। इनमें से कई पूंजी जुटाने की इच्छुक हैं। इस्पा के मुताबिक कई राज्यों में अंतरिक्ष औद्योगिक पार्क विकसित करने की योजना है, कई गैर-सरकारी संस्थाएं बड़े ग्रीन फील्ड निवेश करने की सोच रही हैं। इसलिए अंतरिक्ष क्षेत्र की गतिविधियों में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से लगी कंपनियों के लिए कर छूट, कर अवकाश, त्वरित मूल्यह्रास जैसी अन्य पहलों पर विचार किया जाना चाहिए।

स्टार्टअप के निवेश पर नजर रखने वाली फर्म ट्रैक्सन टेक्नोलॉजीज की सह-संस्थापक नेहा सिंह के मुताबिक डीप टेक स्टार्टअप के लिए समर्पित नीति और इलेक्ट्रिक वाहनों और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे उभरते क्षेत्रों के लिए विशेष फंड से महत्वपूर्ण आर्थिक सहायता मिलेगी और इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा। इससे भारत को सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी में वैश्विक लीडर का स्थान मिलेगा।

कारोबारियों की सरकार...जनविरोधी बजट ही पेश करेगी: कांग्रेस नेता

बीते 10 सालों में सरकार ने यही किया

नई दिल्ली ।

संसद का बजट सत्र सोमवार को शुरू हो चुका है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का बजट सत्र 12 अगस्त तक चलेगा। बजट सत्र में विपक्ष सरकार को घेरने की कोशिश में जुट गया है। कांग्रेस सांसद कोडिकुन्नील सुरेश ने कहा पिछले दो कार्यकालों में पेश किए बजट जनविरोधी थे और इस बार भी कुछ ऐसा ही होगा। उनके मुताबिक बजट केवल कारोबारियों को ध्यान में रख बनाया जा रहा है।

कांग्रेस नेता सुरेश ने मोदी सरकार पर निशाना साधकर कहा, आज 18वीं लोकसभा का पहला बजट है। सोमवार को लोकसभा में आर्थिक सर्वेक्षण भी पेश किया जा रहा है। मोदी सरकार देश पर शासन करते हुए तीसरी बार सत्ता में आई है। पिछले दो कार्यकालों में जो बजट पेश किया गया था, वहां जनविरोधी बजट था। मुझे लगता है कि इस बार भी उन्होंने आम लोगों के लिए कोई कल्याणकारी योजना नहीं दी है। वे केवल कॉरपोरेट्स को बचाने और बदलने का काम कर रहे हैं। पिछ्ले बजट में भी कॉरपोरेट्स के हितों को ध्यान में रखा गया था। इस बार भी वे कॉरपोरेट्स का ही ध्यान रखने वाले हैं। उन्होंने कांवड़ यात्रा को लेकर कहा कि भाजपा सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करना चाहती है, इसलिए इस साल कांवड़ यात्रा पर वे दुकानदारों और दुकान मालिकों के लिए नेमप्लेट को लेकर आदेश लाए हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और यह संविधान के खिलाफ है और हमारे सांप्रदायिक सद्भाव के हित के भी खिलाफ है।

बांग्लादेश में फंसे छात्र.....परेशान पालक लोकसभा अध्यक्ष बिरला से लगा रहे गुहार

कोटा ।

पड़ोसी देश बांग्लादेश में आरक्षण की हिंसा जारी है। हिंसा की दहशत में राजस्थान के कोटा-बूंदी जिलों के कई छात्र जो बांग्लादेश में एमबीबीएस करने गए थे, वे फंसे हुए हैं। रविवार रात को भारत लौटे छात्रों में दो छात्र कोटा वापस लौटे हैं।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से भी बांग्लादेश में फंसे अपने बेटे बेटियों की घर वापसी को लेकर माता-पिता से संपर्क साध रहे हैं। भारतीय दूतावास के द्वारा बच्चों को घर लाने की गुहार की जा रही है। हिंसा के दौरान न इंटरनेट वहां काम कर रहा है और ना ही मोबाइल फोन लग पा रहे हैं। परिजन टैक्स मैसेज भेजकर अपने जिगर के टुकड़ों से बातचीत कर रहे हैं।

बांग्लादेश के ढाका से कुछ बच्चे रविवार को भारत लौटे हैं। इसमें राजस्थान के कुल 6 बच्चे मौजूद है। उनमें भी कोटा के दो छात्र हैं। लौटे छात्रों ने बताया कि हालत खराब है। हॉस्टल में खाना पीना मिल रहा है। 4 दिन से फोन इंटरनेट बंद है। छात्रों ने बताया कि दो-तीन दिन में हालात सामान्य होने की उम्मीद हैं, लेकिन वह डरे हुए हैं।

कुछ परिजन हैं, जो नहीं चाहते कि बच्चों की पढ़ाई खराब हो। कोटा निवासी हिमांशु गुर्जर बांग्लादेश में एमबीबीएस चतुर्थ वर्ष स्टूडेंट है। जो ढाका से लौट आया है। हिमांशु ने कहा कि वसुंधरा मेडिकल कॉलेज का छात्र है। कुछ दूरी पर डेल्टा मेडिकल कॉलेज में अटैक हुआ, चार दिन से वे लोग खतरे में थे। बम धमाकों से डरा हुआ माहौल था। दोपहर में दंगे भड़क गए थे। इसलिए रात 1 बजे के करीब चुपचाप वहां से निकले। हम लोग इतना डर चुके थे कि वहां रहने की बजाय घर आना ज्यादा मुनासिब मान रहे थे और हम लोग कुल 45 छात्र छात्राएं भारत आए हैं। कोटा के दो में एक में और एक अन्य लड़की है। कोटा के खालिद शेख ने कहा की बेटी शुमैला ढाका के केंद्रीय इंटरनेशनल मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कर रही है।

दो दिनों से कोटा बूंदी और प्रदेश भर के इसतरह के एमबीबीएस छात्रों का डाटा जुटा रहे थे जो ढाका में है। करीब 70 छात्रों के नाम, पते और जरूरी जानकारी की सूची बनाकर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला तक पहुंचाई गई है। भारतीय दूतावास से मदद ली जा रही है।

मोदी सरकार की दो टूक ....

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देना संभव नहीं

वित्त राज्य मंत्री पकंज चौधरी ने दिया बयान

नई दिल्ली । बिहार को लेकर बड़ी खबर नई दिल्ली से आ रही है। दरअसल बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग पर लोकसभा में बजट सत्र के दौरान केंद्र सरकार की ओर से वित्त राज्य मंत्री पकंज चौधरी ने बड़ा बयान दिया है। दरअसल चौधरी ने लोकसभा में केंद्र की ओर से जवाब देकर कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देना संभव नहीं है। वित्त राज्य मंत्री ने लोकसभा में कहा कि विशेष राज्य के दर्जे के लिए जिन प्रावधानों को पूरा करना होता है वे बिहार में नहीं है। बता दें, बीते कई सालों से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग होती रही है। अभी हाल ही में रविवार को भी दिल्ली में सर्वदलीय बैठक के दौरान जेडीयू के राज्यसभा सांसद संजय झा ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज देने की मांग को उठाया था। बता दें, सीएम नीतीश कुमार भी कई बार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग करते रहे हैं। वहीं सोमवार को बजट से पहले जेडीयू ने फिर से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और विशेष सहायता देने की मांग की है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग बिहार की जनता की आवाज है। बता दें, केंद्र की नई सरकार का आम बजट मंगलवार को पेश होने वाला है। बता दें, भारतीय संविधान के आर्टिकल 275 के मुताबिक किसी राज्य को विशेष श्रेणी राज्य का दर्जा देने का प्रावधान हैं। वर्तमान में देश में कुल 29 राज्य हैं और 7 केंद्रशासित प्रदेश, जिसमें से 11 राज्यों को विशेष श्रेणी राज्य का दर्जा हासिल है, लेकिन अब भी बिहार, आंध्रप्रदेश, उड़ीसा सहित पांच राज्य हैं, जो विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। आर्टिकल 275 में बताया गया है कि किन स्थितियों में किसी राज्य को यह विशेष दर्जा मिल सकता है। इन प्रावधानों के मुताबिक उन राज्यों को यह दर्जा दिया जा सकता है, जहां पहाड़ी या मुश्किल भौगोलिक स्थितियां हों, अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के लिहाज से राज्य रणनीतिक महत्व का हो, प्रति व्यक्ति आय बहुत कम हो, आबादी का घनत्व कम हो या आदिवासी बहुल आबादी हो या फिर आर्थिक और संरचनात्मक पिछड़ापन और राजस्व के स्त्रोतों की कमी हो।

अवैध हाथ ठेलों और फेरीवालों को रोकने......अब क्या सेना को बुलाएं

बॉम्बे हाईकोर्ट की पुलिस और बीएमसी को फटकार

मुंबई ।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने अवैध हाथ ठेलों और फेरीवालों से हो रही समस्या दूर करने में असमर्थ पुलिस और अधिकारियों को लताड़ लगा दी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि क्या ठेले वालों को मंत्रालय और राजभवन के बाहर खड़े होने की अनुमति दी जाए? हाईकोर्ट की न्यायाधीश एमएस सोनका और कमल खाता की खंडपीठ ने कहा कि अवैध फेरी वाले वाले और उनके ठेले बड़ी समस्या बन रहे हैं। इसका स्थायी समाधान जरुरी है। कोर्ट ने कहा कि इस समस्या को खत्म करने की बात कहे कहा कि पुलिस अधिकारी असहाय होने का दावा नहीं कर सकते।

पिछले साल हाईकोर्ट ने शहर में अवैध फेरी वालों और ठेलों के मामले पर स्वतः संज्ञान लिया था। कोर्ट ने बृन्हमुंबई नगर निगम और पुलिस को अवैध फेरीवालों के खिलाफ की गई कार्रवाई और समस्या दूर करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देने के लिए शपथ पत्र दाखिल करने के लिए कहा था।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि अफसोस की बात है जिम्मेदारी अधिकारी और पुलिस लोगों की अवैध फेरी वालों और हाथठेला वालों की शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं करते। क्या अधिकारी चाहते हैं कि लोग रोज-रोज कोर्ट आएं? यह लोगों का उत्पीड़न है और पूरी तरह से गलत है। नगर निगम, पुलिस लोगों की शिकायत पर कुछ नहीं करते, तब इसके बाद एक आम आदमी को क्या करना चाहिए? कोर्ट ने कहा कि अवैध फेरी वाले पूरी बेशर्मी से घूमते हैं, और पीड़ित इन लोगों को कानून के द्वारा रोकना चाहते हैं। अब क्या मंत्रालय और राजभवन के सामने इन्हें खड़े होने दिया जाए, जहां पूरी सुरक्षा है। तब यह सब रुकेगा?

सोमवार को बीएमसी के वकील अनिल सिंह और सरकारी वकील पूर्णिमा कंथरिया ने शपथ पत्र दाखिल करने के लिए और समय मांगा। कोर्ट ने इस पर नाराजगी जताकर कहा कि यह गंभीर मामला है। अधिकारी अदालत के आदेश का पालन नहीं कर सकते, तब क्या अदालत को बंद कर देना चाहिए? कोर्ट ने शपथ पत्र दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का वक्त देकर 30 जुलाई को मामले की सुनवाई की अगली तारीख तय की। कोर्ट ने सख्ती जताकर कहा कि जब पुलिस और अधिकारी अवैध फेरी वालों और हाथ ठेलों पर रोक नहीं लगा सकते, तब क्या अब सेना को बुलाया जाए?

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

शुचिता की चिंता

दुकानों और ठेलों पर उनके मालिक के नाम लिखने को अनिवार्य बनाने का फैसला अगर चर्चा में है, तो कोई आश्चर्य नहीं। सामान्य तौर पर किसी प्रतिष्ठान पर उसके मालिक का नाम लिखा जाना कोई असामान्य या गैर-कानूनी बात नहीं है। असंख्य लोग शौक से अपना नाम अपने प्रतिष्ठान के बोर्ड पर लिखते हैं, पर जिन लोगों को अपने प्रतिष्ठान पर अपना नाम लिखना अच्छा नहीं लगता, उनकी नाराजगी के निहितार्थ को समझने और समझाने की कोशिश पूरी समझदारी से होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश में एक आदेश पर कांवड़ यात्रा मार्गों पर भोजनालयों के लिए मालिकों का नाम प्रदर्शित करना अनिवार्य कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के बाद उत्तराखंड और अब उज्जैन, मध्य प्रदेश में भी प्रशासन ने ऐसा ही फैसला किया है। अब अपने प्रतिष्ठान या दुकान के आगे अपना नाम न लिखने वालों को व्यवसाय करने में समस्या होगी। दरअसल, कांवड़ वाले मार्गों पर पहले भी शुचिता संबंधी शिकायतें सामने आती थीं और आदेश देने वाले अधिकारियों के पास यह दलील है कि कांवड़ियों की पवित्रता की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। हालांकि, यह फैसला उतना सहज नहीं है, जितना प्रथम दृष्टया नजर आता है। समाज में इस फैसले पर विविध राय है और हर प्रतिकूल राय पर भड़क उठने के बजाय संवेदना के साथ गौर करना चाहिए। लोग क्या सोच रहे हैं और उनके नेता क्या सोच रहे हैं? भारतीय समाज में एक सफल उद्यमी व योगगुरु की पहचान रखने वाले बाबा रामदेव की टिप्पणी यहां गौरतलब है कि 'अगर रामदेव को अपनी पहचान बताने में कोई दिक्कत नहीं है, तो रहमान को अपनी पहचान बताने में दिक्कत क्यों होनी चाहिए? हर किसी को अपने नाम पर गर्व होना चाहिए। नाम छिपाने की जरूरत नहीं है, सिर्फ काम में पवित्रता चाहिए।' अब इस पहलू के विरोध में भी एक प्रतिनिधि बयान देख लीजिए, पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सत्तारूढ़ पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि वह मुसलमानों, दलितों और अन्य पिछड़े समूहों के अधिकारों को खत्म करना चाहती है। यह हमारे देश की विडंबना ही है कि जिस राज्य से धर्म के आधार पर एक बड़े समूह को निकाल बाहर किया गया, उस राज्य के नेता की यह दलील है कि 'देश का संविधान सभी को समान अधिकार देता है और इसमें नाम या धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है।' कुल मिलाकर, यह फैसला व्यापक है और इसे विवादों से परे रखना आसान नहीं होगा। सत्तारूढ़ गठबंधन में भी सहमति बनानी पड़ेगी। क्या इस फैसले को लागू कराने की शालीनता हमारे सुरक्षाकर्मियों के पास है? क्या इस फैसले को लागू कराने की जिम्मेदारी किसी अन्य सक्षम विभाग को नहीं देनी चाहिए? ध्यान रहे, कोई व्यापारी विवाद नहीं चाहता, बहुत सारे दुकानदारों ने अपने नाम पहले ही लिख दिए हैं, पर उन सबकी आशंकाओं को दूर करने की जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन पर है। ध्यान रहे, जरूरी नहीं कि बहुसंख्यक संप्रदाय के सभी दुकानदार पवित्रता बरतते हों। मतलब, स्थानीय प्रशासन का ध्यान किसी नाम या मजहब पर नहीं, बल्कि दुकानों पर बरती जाने वाली साफ-सफाई व शुद्धता पर होना चाहिए। कांवड़ मार्गों पर असंख्य ढाबे हैं, दुकानें हैं, क्यों न युद्ध स्तर पर शुद्धता अभियान छेड़ दिया जाए? रही बात ऐसे दुकानदारों की, जो अपने ग्राहकों के प्रति सही सेवा भाव नहीं रखते, उन्हें तो वैसे भी विदा कर देने में पूरे समाज-देश की भलाई है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

असहनीय गर्मी से बचाव हेतु बनें सरकारी नीतियां

मुकुल व्यास

पृथ्वी ने लगातार 13 महीनों तक तापमान के रिकॉर्ड तोड़े हैं। हर महीने तापमान पूर्व-औद्योगिक औसत से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार जून, 2023 से हर महीना अपने पिछले महीने से ज्यादा गर्म रहा है जिससे जुलाई, 2023 और जून, 2024 के बीच वैश्विक औसत तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले के तापमान से (1.64 डिग्री सेल्सियस) ज्यादा हो गया है। नई रिपोर्ट तैयार करने वाली यूरोपियन यूनियन की कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस के निदेशक कार्लो बुओनटेम्पो ने कहा कि यह सिर्फ सांख्यिकीय विषमता नहीं है। ये आंकड़े हमारी जलवायु में एक बड़े और निरंतर परिवर्तन को उजागर करते हैं। भले ही चरम सीमाओं का यह विशिष्ट सिलसिला किसी बिंदु पर समाप्त हो जाए, लेकिन जलवायु के गर्म होने के साथ-साथ हम नए रिकॉर्ड टूटते हुए देखेंगे। जब तक हम वायुमंडल और महासागरों में ग्रीनहाउस गैसों को जोड़ना बंद नहीं करते, यह सिलसिला जारी रहेगा। दुनिया ने इस साल गर्मी का रौद्र रूप देखा है। दक्षिणी और पूर्वी एशिया, दक्षिणी पश्चिमी अमेरिका, मध्य अमेरिका और दक्षिण-पूर्वी यूरोप सहित दुनिया के कई हिस्सों को अत्यधिक गर्मी का सामना करना पड़ा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह काफी हद तक ग्लोबल वार्मिंग का ही नतीजा है। उत्तरी भारत ने कई सप्ताह तक भीषण गर्मी झेली, जिसमें तापमान 44-45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अत्यधिक गर्मी जानलेवा हो सकती है। मार्च में भारत में गर्मी शुरू होने के बाद साढ़े तीन महीनों के दौरान अनेक लोगों की जानें गई। लू और गर्मी से मरने वालों की सही-सही संख्या का अंदाजा लगाना मुश्किल है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार गर्मी की वजह से 143 लोगों की मृत्यु हुई। लेकिन विभिन्न राज्यों से मिले आंकड़े बताते हैं कि हीट स्ट्रोक से मौत के पुष्ट और संदिग्ध मामले 400 से अधिक हैं। सबसे ज्यादा मौतें उत्तर प्रदेश में हुईं जबकि पुष्ट मामलों में दिल्ली सबसे आगे रहा। भारत में इस साल गर्मी असाधारण रूप से असहनीय रही। पिछले सालों की तुलना में लू इस बार अधिक तीव्र रही। गर्म हवाओं की अवधि भी सामान्य से अधिक रही। इस बार न सिर्फ दिन बल्कि रातें भी अच्छी-खासी गर्म रहीं। दिल्ली में जून के महीने में एक दिन रात का न्यूनतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो कि पिछले 60 वर्षों में दर्ज सबसे अधिक न्यूनतम तापमान है। लंबे समय से चल रही गर्मी के कारण बिजली की खपत के रिकॉर्ड भी टूटे। पानी के संकट के कारण लोगों की कठिनाइयां और भी बढ़ गईं। भारत के अलावा दुनिया के दूसरे देशों में भी हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन से कई मौतें हुईं। सबसे भयानक त्रासदी सऊदी अरब में हुई जहां 1300 से अधिक हाजियों ने भीषण गर्मी में दम तोड़ दिया। उन दिनों वहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के आसपास चल रहा था। शोध से पता चलता है कि उत्तरी गोलार्ध में गर्मी की खतरनाक लहरों के पीछे मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन है और आने वाले दशकों में दुनिया को ऐसे ही मौसम का सामना करना पड़ेगा। जीवाश्म ईंधन के निरंतर जलने से वायुमंडल में अधिक कार्बन का उत्सर्जन होता है, जिससे हवा सूर्य से आने वाली अधिक गर्मी को ट्रैप कर सकती है। इससे औसत वैश्विक तापमान बढ़ता है। दुनिया में तापमान वृद्धि की शुरुआत पश्चिमी देशों द्वारा कोयला और अन्य जीवाश्म ईंधन जलाने से हुई। वैज्ञानिक यह पता लगाने के लिए अध्ययन कर रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन ने किसी विशिष्ट गर्मी की लहर को कितना प्रभावित किया है। उन्होंने पिछले दशक में ऐसे सैकड़ों अध्ययन किए हैं, जिसमें कंप्यूटर सिमुलेशन के जरिए आज की मौसम प्रणालियों की तुलना की गई है। वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि यदि पिछली सदी में मनुष्यों ने वायुमंडल की केमिस्ट्री को नहीं बदला होता तो आज मौसम कैसा व्यवहार करता। ग्लोबल वार्मिंग के अलावा, अन्य कारक और परिस्थितियां भी हीट वेव को प्रभावित कर सकती हैं। एल नीनो या ला नीना जैसी जलवायु प्रणालियां, क्षेत्रीय सर्कुलेशन पैटर्न के साथ-साथ एक बड़ा प्रभाव डाल सकती हैं।

भूमि आवरण भी एक बड़ी भूमिका निभा सकता है, जिसमें अंधेरी सतह और निर्मित वातावरण परावर्तक सफेद सतहों या जंगलों या आर्द्र भूमि जैसी प्राकृतिक प्रणालियों की तुलना में अधिक गर्म होते हैं। जलवायु प्रणाली में भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका है। भूमि के इस्तेमाल में परिवर्तन से जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा मिलता है। जलवायु परिवर्तन मानव स्वास्थ्य को संकट में डालने के अलावा प्राकृतिक प्रणालियों को भी प्रभावित कर रहा है। इसकी वजह से वर्षा, बाढ़ और समुद्री तूफान का पैटर्न बदल रहा है। जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं। वैज्ञानिकों का निष्कर्ष यह है कि जलवायु परिवर्तन पहले से ही गर्मी की लहरों को अधिक गर्म बना रहा है। उनकी फ्रीक्वेंसी बढ़ रही है और वे ज्यादा खतरनाक भी हो गई हैं। दुनिया 2100 तक 2.7 सेल्सियस की वृद्धि तक पहुंचने की राह पर है, जो 1.5 सेल्सियस की सीमा को पार कर जाएगी। सीमा पार करने पर वैज्ञानिकों ने विनाशकारी और अपरिवर्तनीय जलवायु प्रभावों की भविष्यवाणी की है। भले ही आज सभी कार्बन उत्सर्जन रोक दिए जाएं, लेकिन दुनिया ने पहले ही इतना उत्सर्जन कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन दशकों तक तापमान को ऊपर की ओर बढ़ाता रहेगा। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल के वैज्ञानिकों के अनुसार दुनिया को 2030 तक 1995 के स्तर से उत्सर्जन में आधे की कटौती करनी चाहिए और 2050 तक शुद्ध शून्य पर पहुंचना चाहिए ताकि औसत वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस ऊपर रखने का मौका मिल सके। शुद्ध शून्य उत्सर्जन अथवा नेट जीरो इमिशन का तात्पर्य उत्पादित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और वायुमंडल से बाहर निकाली गई ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के बीच एक समग्र संतुलन प्राप्त करना है। दुनिया की सरकारों को उत्सर्जन पर अंकुश लगाने के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य की हिफाजत के लिए बड़े उपाय करने होंगे। मानव शरीर अत्यधिक तापमान नहीं झेल सकता। गर्मी सबसे ज्यादा गरीब लोगों को प्रभावित करती है। आने वाले समय में तीव्र गर्मी के प्रभावों से मेहनतकश लोगों को बचाना होगा।

इनमें किसान और श्रमिक शामिल हैं। धूप में काम करने वाले मजदूरों के लिए सरकार कार्य समय निर्धारित कर सकती है जिसमें अनिवार्य विश्राम शामिल है। विश्राम के लिए जगह-जगह कूलिंग सेंटर बनाए जा सकते हैं। सरकारों को यह भी सुनिश्चित करना पड़ेगा कि गर्मियों के दौरान बिजली और पानी की आपूर्ति में कोई बाधा न आए। यह सब करने के लिए सरकारों को अपने बजट में विशेष प्रावधान करना होगा और बड़े साहसिक कदम उठाने पड़ेंगे।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

बोले जा प्यारे ! बम भोले !!

(लेखक - राकेश अचल)

आषाढ़ निकल गया । सावन शुरू हो गया है। वो ही सावन जो लाखों का होता है और दो टकियों की नौकरी के फेर में बर्बाद हो जाता है। इस सावन का पहला सोमवार भोले बाबा के नाम है। मंगलवार इस देश की बैशाखा सरकार के नाम होगा ,क्योंकि मंगलवार को सरकार देश की जनता के लिए एक लंगड़ा बजट लेकर आने वाली है। मेरी पशोपेश ये है कि मै लिखूं तो आखिर किस मुद्दे पर लिखूं ? क्योंकि हमारे देश में मुद्दे घड़ी-घड़ी बदलते हैं। जब तक एक मुद्दे के बारे में सोचो ,तब तक दूसरा मुद्दा सिर तानकर खड़ा हो जाता है।

उत्तर प्रदेश में भोला भंडारियों के लिए सरकार के तुगलगी फरमान के बारे में लिख चुका हूँ। सरकार को सामाजिक समरसता से ज्यादा फ़िक्र भोले के भक्तों का धर्म भ्र्ष्ट होने की थी, सो मुजफ्फर नगर के सभी रेहड़ी,ठेले वालों तक को अपने-अपने नाम लिखकर टांगने का फरमान दे दिया गया। इस मांमले में चूंकि सुप्रीम कोर्ट तक बात पहुँच चुकी है ,इसलिए मैंने इस मुद्दे को छोड़ दिया है । इस मुद्दे पर अब फैसला या तो सुप्रीम कोर्ट करेगा या फिर आने वाले दिनों में सूबे की जनता। जनता को आने वाले दिनों में विधानसभा की 10 सीटों के लिए होने वाले उप चुनावों में मतदान करना है।

आपको पता है कि भोले बाबा के सामने शायद हिन्दू-मुसलमान का मुद्दा कभी आया ही नहीं। बेचारे पहली बार फंसे हैं इस फेर में। वो भी योगी आदित्यनाथ की वजह से। योगी जी भी भोले बाबा के भक्त हैं और वे भी जो आजकल मुस्लिम विरोधी कहे जाते हैं। देखना ये है कि योगी जी कितने दिन भोले के भक्तों को मुसलमानों की दुकानों से दूर रख पाते हैं ? कितने दिन हिन्दू मुसलमान के यहां पंचर ठीक करने नहीं जाते ? कितने दिनों मुसलमानों के ठेलों से फल ,साग-सब्जी नहीं खरीदते ? कितने दिन उनसे बैल्डिंग नहीं कराते ? कितने दिन मुसलमानों से दूसरी सेवाएं नहीं लेते ?

भोले बाबा को छोड़िये अब अमित शाह साहब की बात कर लें। वे भी आजकल खूब बम-बम कर रहे है। लोकसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद उनका बमकना कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। अपने बाप की उम्र के शरद पंवार पर वे खूब बमके । उन्हें भ्र्ष्टाचार का सरदार बता दिया। मजबूरी कुछ भी करा सकती है आदमी से। महाराष्ट्र जीतने के लिए शाह साहब सब कुछ हारने के लिए तैयार दिखाई दे रहे हैं। वे कभी अपनी पार्टी के पुराने साथी उद्धव ठाकरे पर बमकते हैं तो कभी शरद पंवार पर। कांग्रेस का भूत तो उनके सिर से उतरने का नाम ही नहीं लेता। आदमी दूध से जलने के बाद छाछ भी फूंक-फूंककर पीता है लेकिन बन्दा है कि सब कुछ गर्मागर्म पी लेना चाहता है ,भले ही जबान और जुबान दोनों जलकर राख हो जाएँ।

बमकने के मामले में इंडिया गठबंधन वाले भी कम नहीं है। ममता दीदी को ही लीजिये। उन्होंने बमकते हुए कह दिया है कि बांग्लादेश से जो भी शरणार्थी आएंगे उन्हें उनकी सरकार पूरा संरक्षण देगी। शरणार्थियों को शरण देना हमारे देश की सनातन नीति है लेकिन आजकल की सरकार की विदेश नीति से मेल नहीं खाती। सनातन कहानियों में त्रेता में राम ने बिभीषण को शरण दी और आज हम हैं कि किसी को शरण नहीं देना चाहते। और देना भी चाहते हैं तो पहले उनकी पूँछ उठाकर देखना चाहते हैं कि वे हिन्दू हैं या नहीं ? जाहिर है कि शरणार्थियों के मामले में हमारे यहां देश और राजनीतिक दल एक राय नहीं हैं। हो भी नहीं सकते। होना भी नहीं चाहिए।

इधर आप आज भोले बाबा पर बेलपत्र चढ़ाकर फारिग होंगे उधर कल 23 जुलाई को केंद्र सरकार अपना सीतारामी बजट लेकर आपके ऊपर बमकेगी। आप बजट में राहत की उम्मीद लगाकर बैठे हैं। आपको लगता है कि सरकार का बजट बजटपूर्व की हलुवा सेरेमनी जैसा मीठा होगा ,लेकिन ऐसा मुमकिन नहीं है। सरकार आपकी नहीं अडानी और अम्बानी की चिंता पहले करेगी। करना भी चाहिए। आप केवल वोट देते हैं और अडानी-अम्बानी टेम्पो में भर-भरकर नोट देते हैं राजनीतिक दलों को। ये बात हम नहीं कहते,हमारे भाग्यविधाता,अविनाशी प्रधानमंत्री जीने खुद कही है । आपको यदि उनके सूत्रवाक्य सुनना हों तो गूगल खंगाल लीजिये। आजकल आप जो भी अच्छा-बुरा बोलते हैं वो सब गूगल अक्षय पात्र में संग्रहित हो जाता है।

देश में सर्वाधिक बमकने वाले दिल्ली के मुख्यमत्री अरविंद केजरीवाल का बमकना आजकल कम हो गया है ,लेकिन उनकी पार्टी बमक रही है । आप का कहना है कि कोई है जो केजरीवाल को हलाल करने की कोशिश कर रहा है । केजरीवाल का स्वास्थ्य खराब है। उनका वजन गिर रहा है। लेकिन सरकार और सरकारी पार्टी इसे केजरीवाल का नाटक बता रही है। खग जाने खग की भाषा । केजरीवाल आखिर एक जमाने में सरकारी पार्टी की बी टीम की तरह काम करते थे । वे आजकल आईएनडीआईए गठबंधन में हों लेकिन हैं तो आधे-अधूरे ही। भगवान भोले नाथ उनकी रक्षा करें।

एक हकीकत ये है कि 2024 के आम चुनाव तक देश राम भरोसे चल रहा था, लेकिन चुनाव के बाद देश भगवान भोलेनाथ के भरोसे चल रहा है। आने वाले दिनों में हमें देशज राजनीति में भोले की माया ही देखने को मिलेगी । फिर भले ही यूपी में विधानसभा के उपचुनाव हों या महाराष्ट्र,झारखण्ड और बिहार में विधानसभाओं के चुनाव। यूपी में बाबा विश्वनाथ हैं, तो महाराष्ट्र में भीमाशंकर और बिहार में भोले बैद्यनाथ के रूप में विराजमान हैं ,भोले की मर्जी सिर्फ भोले जानते हैं। आम जनता को तो केवल कांवड़ ढोना है। बम-बम करना है। अब देखिये सावन में क्या गुल खिलते हैं मेघराज इंद्र ?

विचार मंथन

अच्छे वैज्ञानिक अनुसन्धान हेतु वैज्ञानिकों पर भरोसा आवश्यक

(लेखक- संजय गोस्वामी)

विज्ञान पर तो दुनिया विश्वास करती है एक हालिया अध्ययन के अनुसार दुनिया भर के लोगों ने वैज्ञानिकों पर भरोसा व्यक्त किया है, लेकिन वे अनुसंधान में सरकारों के हस्तक्षेप को लेकर चिंतित भी हैं। यह निष्कर्ष वैश्विक संचार संस्थान एडेलमैन द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट ट्रस्ट बैरोमीटर का है जिसके लिए मेक्सिको से लेकर जापान तक 28 देशों के 32,000 से अधिक लोगों का सर्वेक्षण किया गया था। सर्वेक्षण के 74 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने नवाचारों और नई प्रौद्योगिकियों सम्बंधित सही जानकारी प्रदान करने के लिए वैज्ञानिकों पर विश्वास जताया है। इतने ही प्रतिशत लोगों ने चाहा है कि वैज्ञानिक इन नवाचारों को पेश करने में स्वयं आगे आएं। इसके विपरीत, सही जानकारी देने के संदर्भ में लोगों ने पत्रकारों और सरकारी नेताओं पर क्रमशः 47 प्रतिशत और 45 प्रतिशत ही भरोसा जताया है। हालांकि, अध्ययन में 53 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने देश में विज्ञान के राजनीतिकरण की बात कही है, जो राजनेताओं के हस्तक्षेप की ओर इशारा करता है। विश्व स्तर पर 59 प्रतिशत का मानना है कि सरकारें और अनुसंधान वित्तपोषक एजेंसियां वैज्ञानिक प्रयासों पर अत्यधिक प्रभाव डालते हैं। ये आंकड़े भारत में 70 प्रतिशत और चीन में 75 प्रतिशत तक पहुंच गए हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 60 प्रतिशत लोगों का मानना है कि सरकारों में उभरते नवाचारों के नियमन की क्षमता का अभाव है। यह भरोसा वैज्ञानिकों के लिए एक अवसर के साथ चुनौती भी है। इस विश्वास के दम पर वैज्ञानिक प्रयास कर सकते हैं कि सरकारी नीतियां प्रमाण-आधारित बनें। इसके साथ ही वे सरकारी हस्तक्षेप और नियामक शक्तियों पर लोगों के अविश्वास सम्बंधी चिंताओं को भी संबोधित कर सकते हैं। सवाल यह उठता है कि सार्वजनिक हितों को ध्यान में रखते हुए, नीतियों की दिशा सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक सरकारों के साथ कैसे सहयोग कर सकते हैं? कई विशेषज्ञ इस रिपोर्ट को काफी महत्वपूर्ण बताते हैं जो कोविड-19 महामारी और कृत्रिम बुद्धि के उदय जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए विज्ञान और नवाचार पर वैश्विक फोकस के साथ मेल खाती है। हालिया समय में दुनिया भर की सरकारें क्लस्टरिंग विश्वविद्यालयों से लेकर उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने और नवीन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता की सुविधा प्रदान करने की विभिन्न रणनीतियों की तलाश कर रही हैं। एक हालिया प्रस्ताव में चिकित्सा विज्ञान में एआई की बड़ी भूमिका की वकालत की गई है लेकिन नियामक सुधारों को भी आवश्यक बताया है। गौरतलब है कि इस पूरे मामले में सामाजिक विज्ञान एक ऐसे उपकरण के रूप में उभरा है जिसका उपयोग नहीं किया गया है। यूके एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज़ की एक रिपोर्ट में डैटा वैज्ञानिकों, अर्थशास्त्रियों, नैतिकताविदों, कानूनी विद्वानों और समाजशास्त्रियों की विशेषज्ञता की चर्चा करते हुए नीति निर्माण में सामाजिक विज्ञान को जोड़ने पर ज़ोर दिया गया है। इन क्षेत्रों के पेशेवर लोग नई प्रौद्योगिकियों, आर्थिक मॉडलों और नियामक ढांचे की ताकत और सीमाओं का आकलन कर सकते हैं और उनमें निहित अनिश्चितताओं को भी संबोधित कर सकते हैं। यदि लोगों को लगता है कि विज्ञान का राजनीतिकरण हो चुका है और सरकारें बहुत अधिक हस्तक्षेप कर रही हैं, तो यह सिर्फ विज्ञान के लिए नहीं बल्कि समाज के लिए भी समस्या है क्योंकि इससे लोगों के इस विश्वास में कमी आ सकती है कि सरकारें इन नवाचारों के लाभ उन तक पहुंचाएंगी और संभावित नुकसानों से बचाएंगी।

ऐसे में वैज्ञानिकों को नवाचार के बारे में विश्वसनीय स्रोत बनने के अवसर है।

वेदांता ने क्यूआईपी के जरिए 8,500 करोड़ से अधिक जुटाए

नई दिल्ली । खनन समूह वेदांता ने 440 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 19.31 करोड़ इक्विटी शेयरों के पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिए 8,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 19 जुलाई को बंद हुए इस निर्गम में 461.26 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर 4.61 प्रतिशत की छूट दी गई थी। वेदांता ने कहा कि उसने 19.31 करोड़ शेयर बेचकर 8,500 करोड़ रुपये जुटाए। क्यूआईपी के माध्यम से जिन प्रमुख निवेशकों को इक्विटी शेयर आवंटित किए गए हैं। उनमें अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए), गोल्डमैन सैश एएमसी, निप्पॉन म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, यूटीआई म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई म्यूचुअल फंड, आदित्य बिड़ला म्यूचुअल फंड और मिराए म्यूचुअल फंड शामिल हैं। निप्पॉन म्यूचुअल फंड द्वारा संचालित विभिन्न कोष को कुल निर्गम आकार का 9.11 प्रतिशत आवंटित किया गया, जबकि मॉर्गन स्टेनली और एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा प्रबंधित कोषों को क्रमशः 8.62 प्रतिशत और 7.88 प्रतिशत प्राप्त हुआ।

चीन के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर घटाई

बैंकॉक । चीन के केंद्रीय बैंक ने अपनी पांच वर्षीय प्रमुख ऋण दर और एक वर्षीय दर दोनों में कटौती कर दी है। यह फैसला उसके संपत्ति क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए किया गया है। पांच साल की दर में 10 आधार अंकों की कटौती की गई जिससे यह 3.95 प्रतिशत से 3.85 प्रतिशत हो गई है। एक साल की दर को 3.45 प्रतिशत से घटाकर 3.35 प्रतिशत कर दिया गया। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने बैंकों के लिए अपनी मध्यम अवधि की ऋण सुविधा के लिए संपार्श्विक आवश्यकताओं को भी कम कर दिया है। बैंक ने कहा कि इसका मकसद बॉन्ड बाजार पर दबाव कम करना है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद से गति हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है। इसमें संपत्ति बाजार में मंदी एक बड़ी बाधा रही है। आर्थिक वृद्धि दर पिछली तिमाही में गिरकर 4.7 प्रतिशत हो गई, लेकिन वर्ष की पहली छमाही के लिए यह सरकार के लक्ष्य (पांच प्रतिशत) के आसपास बनी रही।

विप्रो के शेयर में नौ प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी विप्रो के शेयर में सोमवार को करीब नौ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई पर शेयर 8.79 प्रतिशत गिरकर 508.25 रुपये पर आ गया। एनएसई पर यह 8.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ 508.20 रुपये पर रहा। एनएसई निफ्टी में सूचीबद्ध कंपनियों में से विप्रो का शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहा। विप्रो ने हाल ही में जानकारी दी थी कि उसका एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत बढ़कर 3,003.2 करोड़ रुपये रहा। बेंगलुरु की कंपनी की आय हालांकि 2024-25 की पहली तिमाही में 3.8 प्रतिशत घटकर 21,963.8 करोड़ रुपये रही।

स्विगी और अमेजन कर सकती हैं समझौता

नई दिल्ली । ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने अपना आईपीओ लांच करने की तैयारी कर ली है। इस दौरान कंपनी को सात समंदर पार से बड़ा ऑफर मिला है। अमेजन इंडिया ने कंपनी के साथ हाथ मिलाने का प्रस्ताव दिया है। बताया जा रहा है कि इन्टामार्ट के तहत क्विक कॉमर्स बिजनेस को बढ़ाने के लिए दोनों कंपनियां हाथ मिला सकती हैं। गौरतलब है कि स्विगी ने करीब सवा अरब डॉलर (10,414 करोड़ रुपये) का आईपीओ लाने के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट पेपर जमा कराया है। सूत्रों का कहना है कि अमेजन और स्विगी के हाथ मिलाने के दो रास्ते हो सकते हैं। अमेजन की नजर आने वाले आईपीओ में हिस्सेदारी खरीदने या फिर इन्स्टामार्ट में हिस्सा लेने पर है। हालांकि, कहा ये भी जा रहा है कि अमेजन के लिए दोनों ही रास्ते आसान नहीं होंगे। अभी इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। माना जा रहा है स्विगी अपने क्विक कॉमर्स बिजनेस को ही बेचना चाहती है, जबकि अमेजन कंपनी के फूड डिलीवरी बिजनेस को खरीदने को इच्छुक नहीं दिख रही है। सूत्रों का कहना है कि स्विगी की पूरी हिस्सेदारी खरीदना मुश्किल काम है, क्योंकि इसका वैल्यूएशन 10 से 12 अरब डॉलर यानी करीब 1 लाख करोड़ रुपये बन रहा है। दूसरी ओर अमेजन थोड़ी हिस्सेदारी खरीदने में दिलचस्पी दिखा नहीं रही है।

लगातार सातवां बजट पेश कर इतिहास रचेंगी निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपना लगातार सातवां बजट पेश करके इतिहास रचने वाली हैं। इस तरह वह पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड तोड़ देंगी। हालांकि, सबसे अधिक बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड अब भी देसाई के पास ही है। सीतारमण अगले महीने 65 वर्ष की हो जाएंगी। उन्हें 2019 में भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनाया गया था। इसी साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र में लगातार दूसरी बार सरकार बनाई थी। तब से सीतारमण ने इस साल फरवरी में एक अंतरिम सहित लगातार छह बजट पेश किए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025) का पूर्ण बजट उनका लगातार सातवां बजट होगा। वह देसाई के रिकॉर्ड से आगे निकल जाएंगी, जिन्होंने 1959 से 1964 के बीच लगातार पांच पूर्ण बजट और एक अंतरिम बजट पेश किया था। स्वतंत्र भारत में बजट पेश करने से जुड़े कुछ तथ्य इस प्रकार हैं। स्वतंत्र भारत का पहला आम बजट 26 नवंबर, 1947 को देश के पहले वित्त मंत्री आर के

शनमुखम चेट्टी ने पेश किया था। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और बाद में प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल में वित्त मंत्री के तौर पर कुल 10 बजट पेश किए हैं। पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने नौ मौकों पर बजट पेश किया। प्रणब मुखर्जी ने वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान आठ बजट पेश किए। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 1991 से 1995 के बीच लगातार पांच बार बजट पेश किया, जब वह पीवी नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री थे।

रुपया पांच पैसे बढ़कर 83.65 डॉलर

मुंबई । रुपया अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर से उबरकर सोमवार को शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.65 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से रुपये को समर्थन मिला और गिरावट पर रोक लगी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.66 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों में 83.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दिखाता है।रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.29 पर रहा।

फिर से रिटेल सेक्टर में धूम मचा सकता है बियाणी परिवार

मुकेश अंबानी और राधाकिशन दमानी को फिर से टक्कर देंगे बियाणी

नई दिल्ली ।

किशोर बियाणी करीब एक दशक तक भारत के रिटेल सेक्टर में छाए हुए थे। बियाणी रिटेल किंग के तौर पर जाने जाते थे। लेकिन फ्यूचर रिटेल को उन्होंने फर्श से अर्श पर पहुंचाया था, वह आज मुश्किलों में फंसी हैं। लेकिन बियाणी परिवार फिर से रिटेल सेक्टर में तहलका मचाने की तैयारी में है। किशोर बियाणी की बेटियां अवनी और अशनि बियाणी और भतीजा विवेक बियाणी ने थिएटर स्टाइल मल्टी-ब्रांड रिटेल फॉर्मेट ब्रॉडवे को को-प्रमोट करने के लिए अभिनेता राणा दग्गुबाती, एनारॉक और सलारपुरिया ग्रुप के साथ समझौता किया है। ब्रॉडवे के फाउंडर विवेक बियाणी ने कहा कि ब्रॉडवे को चार लोगों ने मिलकर को-प्रमोट किया है। इसमें मैं और थिंक9 एक यूनिट हैं। साथ ही एक्टर-एंटरप्रेन्योर राणा दग्गुबाती, सलारपुरिया ग्रुप के अपूर्व सलारपुरिया और एनारॉक के अनुज केजरीवाल शामिल हैं। विवेक ने कहा कि सभी प्रमोटर्स ने इस फाइनेंशियल ईयर के लिए अच्छी-खासी राशि निवेश की है। जैसे-जैसे स्टोर्स की संख्या बढ़ती जाएगी, वैसे-वैसे पूंजी जुटाने की भी कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि ब्रॉडवे का पहला स्टोर अगस्त के अंत में दिल्ली में वसंत कुंज स्थित ऐम्बिएंसी मॉल में खोला जाएगा। इसके बाद अक्टूबर में हैदराबाद और फरवरी 2025 में मुंबई में स्टोर खोले जाएंगे। करीब 25,000 से 35,000 वर्ग फुट में फैले ब्रॉडवे स्टोर में 120 से 150 ब्रांड्स होंगे। बियाणी सिस्टर्स द्वारा लॉन्च फूड स्टोर एंड डाइनिंग कैफे भी ब्रॉडवे का हिस्सा है। साथ ही इसमें सैलून, हेल्थ और वेलनेस कंसल्टेशन रूम, सैंपलिंग स्टेशन और स्टूडियो भी शामिल होंगे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 103 , निफ्टी 22 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ खुला। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। बजट से पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज और कोटक महिंद्रा बैंक में भारी बिकवाली रही। इससे इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी नीचे आये। वहीं दुनिया भर के बाजारों के मिले कमजोर संकेतों से भी निवेशकों से सतर्कता बरती।

दिन भर के गिरावट के साथ 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 102.57 अंक करीब 0.13 फीसदी नीचे आकर 80,502.08 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 21.65 अंक तकरीबन 0.09 फीसदी नीचे आकर 24,509.25 पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आकर बंद हुए। कोटक बैंक, रिलायंस, आईटीसी, एसबीआई और एचसीएल टेक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। वहीं बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, नेस्ले इंडिया, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, जेएसडब्लयू स्टील, टाइटन और अदाणी पोर्ट्स के शेयर नुकसान में रहे।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 14 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील और एंडएमएम सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, एलएंडटी, मारुति, इंफोसिस, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा और एचयूएल के शेयर

लाभ में रहे।

एशियाई बाजारों में, सियोल, टोक्यो और शंघाई निचले स्तर पर बंद हुए, जबकि हांगकांग सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुआ। दोपहर के सत्र में यूरोपीय बाजार बढ़त पर कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 1,506.12 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 463 अंक गिरकर 80,141 अंकों पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 सूचकांक 147 अंकों की गिरावट के साथ 24,383 अंकों पर आ गया। इससे पहले शुक्रवार को सेंसेक्स ने 81,587 और निफ्टी ने 24,853 का स्तर छुआ। हालांकि, इसके बाद बाजार में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 738 अंक की गिरावट के साथ 80,604 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 269 अंक की गिरावट रही, ये 24,530 के स्तर पर बंद हुआ था।

वित्त वर्ष 2025 में जीडीपी 6.5 से 7 फीसदी रहने का अनुमानः वित्त मंत्री

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में इकोनॉमिक सर्वे प्रस्तुत किया। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 में जीडीपी ग्रोथ 6.5 से 7 फीसदी रहने का अनुमान है। दोपहर 2:30 बजे चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर अनंत नागेश्वरन की प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित होगी। केंद्रीय बजट मंगलवार 23 जुलाई को पेश किया जाएगा। वित्त मंत्रालय का आर्थिक मामलों का विभाग हर साल केंद्रीय बजट से ठीक पहले संसद में इकोनॉमिक सर्वे पेश करता है। इसे संसद के दोनों सदनों में पेश किया जाता है। सर्वे में पिछले 12 महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए विकास के बारे में बताया जाता है। इकोनॉमिक सर्वे में आने वाले साल के लिए बजट प्रायोरिटीज की जानकारी होती है। डेवलपमेंट रिव्यू के साथ, उन सेक्टर्स को भी हाइलाइट करता है जिन पर जोर देने की जरूरत होती है। सर्वे में आसपास हो रहे कई इश्यू का विश्लेषण रहता है और उनके कारण भी बताता है। इकोनॉमिक सर्वे चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर के गाइडेंस में कंपाइल किया जाता है।

1950-51 से 1964 तक बजट के साथ पेश होता था। अब बजट से पहले पेश किया जाता है। इस सत्र में सरकार की योजना है कि वह वित्त बजट के अलावा आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक- 2024, बॉयलर विधेयक - 2024, भारतीय वायुयान विधेयक - 2024, कॉफी (संवर्धन और विकास) विधेयक - 2024 और रबड़ (संवर्धन और विकास) विधेयक - 2024 को पारित करवाए। इस सत्र में विपक्षी दलों से सहयोग के लिए भी सरकार ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

इस सप्ताह 16 नई कंपनियां शेयर बाजार में लिस्ट होंगी

नई दिल्ली । इस सप्ताह 16 नई कंपनियां शेयर बाजार में लिस्ट होंगी जिससे लोगों को शुरूआती दौर में ही निवेश का मौका मिलेगा। सप्ताह के शुरूआत में एसएमई (छोटी, मझली कंपनिया) सेक्टर की 8 कंपनियों के आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे। इन कंपनिया का बाजार से 809 करोड़ रुपये जुटाने का अनुमान है। निवेशकों को इनमें कम से कम 13,500 रुपये निवेश करना होगा। इसके साथ ही शेयर बाजार में 8 नई कंपनियां लिस्ट होंगी। ब्लूमबर्ग के अनुसार इस साल भारतीय शेयर बाजार में जो नए शेयर लिस्ट हुए, उन्होंने औसतन 57 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं पूरे ऐशिया प्रशांत में नए शेयरों ने 32 फीसदी का रिटर्न दिया है। 2024 में आए नए आईपीओ 12 गुना अधिक सब्सक्राइब हुए क्योंकि रिटेल निवेशक इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इस सप्ताह सोमवार को श्री एम पेपर बोर्ड, प्राइजर विजटेक, एविया कमो. और सिटी पॉली प्लास्ट शेयर मार्केट में लिस्ट होंगी। वहीं मंगलवार को टुनवाला ई-मोटरास और बुधवार को मैकाब्स टेक्नो और कटारिया इंडस्ट्रीज लिस्ट होंगी। शुक्रवार को आखिरी कारोबारी दिन में सैनस्टार का खाता खुलेगा। 8 में से 4 आईपीओ के लिए 2 लाख से ज्यादा का निवेश करना होगा। बाजार में कंज्यूमर, हेल्थ केयर और टेक सेक्टर की कंपनियां आईपीओ लाने में सबसे आगे हैं। ब तक भारतीय बाजार में आई 36 बड़ी कंपनियों ने रिटेल निवेशकों से 92,000 करोड़ रुपये जुटाए है। इस दौरान केवल आईपीयो ने करीब 32,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। अगले छह महीनों में हुंडई इंडिया, विशाल मेगामार्ट समेंत 15 बड़ी कंपनिया आईपीओ लाएंगी।

बजट में मीडिया-मनोरंजन उद्योग के लिए पीएलआई योजना लानी चाहिए: यूएसआईबीसी

वाशिंगटन ।

अमेरिका में भारत केंद्रित एक शीर्ष व्यापार निकाय ने भारत सरकार को आगामी बजट में मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना पेश करने का सुझाव दिया है। व्यापार निकाय ने भारतीय और विदेशी कंपनियों के बीच समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए भी कहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को आम बजट पेश करेंगी। अमेरिका-भारत व्यापार परिषद (यूएसआईबीसी) ने उपग्रह संचार उद्योग को उदार बनाने और भारतीय एवं विदेशी वित्तीय सेवा कंपनियों के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने तथा दोनों देशों के बीच पूंजी प्रवाह में अड़चनों को कम करने के लिए उपाय करने का आह्वान किया। यूएसआईबीसी ने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और दक्षता को बढ़ावा देने के लिए पांच लाख रुपए से अधिक के कूरियर निर्यात पर कीमत अंकुश प्रतिबंधों को समाप्त करने का प्रस्ताव किया है। यूएसआईबीसी ने वित्त मंत्रालय को दिए अपने ज्ञापन में सुझाव दिया कि शीघ्र निकासी सुनिश्चित करने के लिए कूरियर के माध्यम से भेजे जाने वाले शीघ्र नष्ट होने वाले सामान पर अंकुश हटा दिए जाएं, शीघ्र नष्ट होने वाले उत्पादों के कारोबार को समर्थन दिया जाए और परिचालन को आसान बनाने तथा प्रशासनिक बाधाओं को कम करने के लिए कूरियर भेजने के लिए एकल खिड़की प्रणाली को एकीकृत किया जाए। यूएसआईबीसी ने कहा कि सबसे पहले हम माल और सेवा कर (जीएसटी) के तहत रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म (आरसीएम) में प्रवासी कर्मचारियों को भुगतान पर इनपुट

टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के बारे में स्पष्टीकरण जारी करने का प्रस्ताव करते हैं। दूसरे, हमारा अनुरोध है कि संबंधित प्राधिकरण कर्मचारियों को चिकित्सा बीमा पर आईटीसी की पात्रता पर उचित स्पष्टीकरण जारी कर सकता है।

रिलायंस का शेयर 2 फीसदी से ज्यादा टूटा

नई दिल्ली । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का शेयर सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार के खुलते ही दो प्रतिशत तक गिर गया। कंपनी के शेयरों में गिरावट दरअसल जून तिमाही के नतीजों में गिरावट आने की वजह से आई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर गिरावट के साथ 3070.15 रुपये के भाव पर खुला और देखते ही देखते 3019.20 रुपये प्रति शेयर तक फिसल गया। इससे पहले शुक्रवार को रिलायंस का शेयर 3109.50 रुपये पर बंद हुआ था। सुबह रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर बीएसई पर 79.15 रुपये की गिरावट लेकर 3,031.15 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। मार्केट कैप के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट जून तिमाही में 5 फीसदी की गिरावट के साथ 15,138 करोड़ रुपये पर आ गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 16,011 करोड़ रुपये था। इससे पहले की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का लाभ 18,951 करोड़ रुपये रहा था। इस तरह बीती तिमाही में कंपनी के लाभ में क्रमिक रूप से 20 प्रतिशत की गिरावट आई। वित्त वर्ष 2024-25 की जून तिमाही में रिलायंस का ऑपरेशन से रेवेन्यू सालाना आधार पर 12 फीसदी बढ़कर 2.36 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि यानी अप्रैल-जून 2023-24 में यह 2.10 लाख करोड़ रुपये था। कंपनी का मुनाफा बाजार अनुमान से बहुत ही कम रहा। अनुमान लगभग 16,341 करोड़ रुपये था, जबकि रेवेन्यू उम्मीदों के अनुरूप रहा।

सोना 73 हजार के पार, चांदी में भी गिरावट

नई दिल्ली ।

सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत सोमवार को तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73,150 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 171 रुपये की तेजी के साथ 73,161 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 179 रुपये की तेजी के साथ 73,169 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 5 रुपये की गिरावट के साथ 89,641 रुपये पर खुला। इस समय यह 66 रुपये की गिरावट के साथ 89,580 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2403.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,399.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 10.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,409.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.42 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव भी 29.29 डॉलर था। इस समय यह 0.10 डॉलर की तेजी के साथ 29.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कई शहरों में पेट्रोल और डीजल सस्ता हुआ

नई दिल्ली ।

आम बजट जारी होने से ठीक पहले सोमवार को देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। यूपी सहित देश के कई राज्यों में तेल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। वैश्विक बाजार में भी कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। हालांकि, देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 15 पैसे सस्ता होकर 94.66 रुपये लीटर, डीजल भी 18 पैसे गिरा और 87.76 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे गिरकर 94.53 रुपये और डीजल 14 पैसे गिरकर 87.61 रुपये लीटर हो गया है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 14 पैसे गिरकर 94.97 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 14 पैसे सस्ता होकर 87.83 रुपये लीटर हो गया है। कच्चे तेल में 24 घंटे में गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 83.09 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बढ़त के साथ 80.55 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है। गाजियाबाद में

पेट्रोल 94.53 रुपये और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नोएडा में पेट्रोल 94.66 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 94.97 रुपये और डीजल 87.83 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

महिला एशिया कप : नेपाल पर बड़ी जीत से सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगा भारत

दाम्बुला (एजेंसी)। पहले दो मैच में आसान जीत से आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए के मंगलवार को यहां होने वाले अपने अंतिम मैच में नेपाल के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से और दूसरे मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 78 रन से हराया था। नेपाल अपने पहले मैच में अमीरात को हराने में सफल रहा था लेकिन दूसरे मैच में उसे पाकिस्तान से 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था।

भारत का सेमीफाइनल में जगह बनाना तय लग रहा है जबकि पाकिस्तान ने पिछले मैच में बड़ी जीत दर्ज करके अपने रन रेट में काफी सुधार किया है। भारतीय टीम हालांकि अन्य टीमों की स्थिति पर गौर करने के बजाय अपने विजय अभियान को जारी रखने पर ध्यान देगी। उसने अभी तक टूर्नामेंट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है जिसे वह जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होगी। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी ने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की थी जबकि अमीरात के खिलाफ कप्तान हरमनप्रीत कौर और रिचा घोष ने अर्धशतक जड़े थे।

विस्फोटक बल्लेबाज घोष ने अमीरात के खिलाफ 29 गेंद पर 64 रन बनाए थे जिससे भारत महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार 200 रन का आंकड़ा छूने में सफल रहा। हरमनप्रीत ने 47 गेंद पर 66 रन बनाकर सूत्रधार की भूमिका निभाई थी। जहां तक भारतीय गेंदबाजी का सवाल है तो रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। यहां तक कि पिछले मैच में चोटिल ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल की जगह टीम में शामिल की गई तनुजा कंवर ने भी अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई और चार ओवर में केवल 14 रन दिए और एक विकेट भी लिया।

इंदु बर्मा की अगुआई वाली नेपाल की टीम ने अमीरात के खिलाफ जीत से अच्छी शुरुआत की थी लेकिन पाकिस्तान के सामने उसकी एक नहीं चली। अब उसकी टीम भारत की चुनौती से अच्छी तरह वाकिफ होगी और अगर उसे भारतीय टीम को परेशानी में डालना है तो उसकी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टीम

भारत = हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रिचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, डी हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, तनुजा कंवर, सजना सजीवन।

नेपाल = इंदु बर्मा (कप्तान), काजोल श्रेष्ठ, रूबीना छेत्री, सबनम राय, सीता राणा मगर, राजमती ऐरी, पूजा महतो, बिंदू रावल, रोमा थापा, ममता चौधरी, कबिता जोशी, कबिता कुंवर, डॉली भट्टा, कृतिका मरासिनी, समझाना खड़का।

लखनऊ सुपर जायंट्स छोड़कर आरसीबी जा सकते हैं राहुल

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल अगले सत्र में किसी और टीम से खेलते हुए दिख सकते हैं। इसका कारण ये है कि राहुल और लखनऊ सुपर जायंट्स प्रबंधन में मतभेद गहरा गये हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले सत्र में जिस प्रकार से फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका भड़के थे उससे राहुल नाराज हैं हालांकि इस बहस के बाद गोयनका ने राहुल को खाने पर बुलाया था और उनके बीच अच्छी बातचीत हुई थी। तब लगा था कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक है पर ये बात गलत निकली।

राहुल 2022 में टीम से जुड़े थे और तब से उन्होंने टीम को हर बार प्लेऑफ में पहुंचाया पर टीम । टूर्नामेंट के नॉकआउट स्तर तक नहीं पहुंच पायी। पिछले सत्र में टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही थी। वहीं अब एक रिपोर्ट के मुताबिक राहुल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से फिर जुड़ सकते हैं। फ्रेंचाइजी को भी एक ऐसे भारतीय खिलाड़ी की तलाश है, जो कप्तानी कर सके। आरसीबी आज तक आईपीएल नहीं जीत है। उसने विराट कोहली के बाद दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसी को भी कप्तान बनाया पर उसकी एक न चली। ऐसे में अब वह राहुल को कप्तान बनाना चाहती है। 2022 में विराट ने लंबे समय के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ी थी और उसके बाद डुप्लेसी टीम के नए कप्तान बने थे पर उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए प्रबंधन अब किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी देना चाहता है। 40 वर्षीय फाफ ज्यादा समय तक फ्रेंचाइजी का साथ नहीं सकते हैं। राहुल पहले भी टीम में रहे है जिससे प्रबंधन उनके बारे में अच्छी प्रकार से जानता है।

सचिन से आगे निकल सकते हैं रूट, पूर्व कप्तान ने की बल्लेबाज की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने जो रूट की विशेष बल्लेबाज के लिए सराहना की है और भविष्यवाणी की है कि वह पुरुष टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक रन बनाने के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकते हैं। रविवार को रूट ने नॉटिंघम में वेस्टइंडीज पर इंग्लैंड की 241 रनों की जीत के दौरान 178 गेंदों पर 122 रन बनाए, जो उनका 32वां टेस्ट शतक है और तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली। रूट के अब 11,940 टेस्ट रन हैं, टेस्ट क्रिकेट में आठवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं, उन्होंने श्रीलंका के महेला जयवर्धने (11,814) और वेस्टइंडीज के शिवनारायण चंद्रपॉल (11,867) को पीछे छोड़ दिया है। वॉन ने कहा कि जो रूट अगले कुछ महीनों में इंग्लैंड के सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे और इतने ख़ास हैं कि वे सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ सकते हैं। रूट निश्चित रूप से इसके लिए महत्वपूर्ण हैं, और मुझे यह पसंद है कि उन्होंने 100 से ज़्यादा रन बनाने तक रिवर्स-स्कूप को लॉकर में रखा और इंग्लैंड की बढ़त बहुत ज़्यादा थी। इन परिस्थितियों में वेस्टइंडीज़ जैसे आक्रमण के खिलाफ आप उनसे शतक बनाने की उम्मीद करते हैं। वे पहली पारी में चूक गए, लेकिन दूसरी पारी में इसे सही करने के लिए दृढ़ संकल्पित थे। वे कभी भी वही गलतियां नहीं करने वाले थे।'' उन्होंने घरेलू धरती पर अपना पहला टेस्ट शतक लगाने के लिए दाएं हाथ के बल्लेबाज़ हैरी ब्रूक की भी प्रशंसा की, लेकिन उन्हें शॉर्ट बॉल का सामना करने से संबंधित अपनी समस्याओं के बारे में कुछ करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'फिर हैरी ब्रूक हैं, जो अगले कुछ सालों में दर्शकों को 'मैं वहां था' के कई पल देने जा रहे हैं। वे ऐसी पारियां और शॉट खेलेंगे जो आपको 'वाह' कहने पर मजबूर कर देंगे। मैंने समय के साथ खिलाड़ियों को देखा है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि मैंने किसी को इतना समय देते हुए देखा है कि वह आक्रामक शॉट खेल सके। स्थिरता, ट्रिगर, हाथ ऊपर, मुड़ी हुई कलाई।'

गंभीर-अगरकर का तालमेल: श्रृंखला चुनने में मनमर्जी नहीं कर पाएंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य कोच गौतम गंभीर की बेबाकी और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर की स्पष्टवादिता से बने तालमेल से भारतीय क्रिकेट में ऐसे दौर की शुरुआत होने वाली है जहां खिलाड़ी कार्यभार प्रबंधन के बहाने श्रृंखला चुनने में मनमर्जी नहीं कर पाएंगे। श्रीलंका दौरे से पहले गंभीर और अगरकर ने संवाददाता सम्मेलन में कुछ कड़े फैसलों के बारे में बताया तो कुछ चीजों को इशारों में समझाया जिससे यह स्पष्ट हो गया कि भारतीय क्रिकेट में काफी कुछ नया होने वाला है।

गंभीर और अगरकर की उपस्थिति शारीरिक रूप से भले ही प्रभावशाली न लगे लेकिन भारतीय क्रिकेट की जानकारी रखने वाला प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि यह दोनों पूर्व क्रिकेटर स्पष्ट और कड़े फैसले करने वालों में शामिल हैं जो आसानी से नहीं बदलते। इन दोनों का लक्ष्य अब 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए खाका तैयार करना है। उनके लिए कार्यभार प्रबंधन बड़ी चुनौती होगी लेकिन उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि इस मामले में बल्लेबाजों और गेंदबाजों के लिए अलग नियम होंगे।

गंभीर से जब कार्यभार प्रबंधन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'मैंने पहले भी कहा है कि (जसप्रीत) बुमराह जैसे खिलाड़ी के लिए कार्यभार प्रबंधन महत्वपूर्ण है। अगर आप बल्लेबाज हैं और अच्छी फॉर्म में हैं तो आपको सभी मैच खेलने चाहिए।' माना जा रहा था कि वनडे और टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा तथा टीम के प्रमुख बल्लेबाज विराट कोहली श्रीलंका दौरे पर नहीं जाएंगे लेकिन उनकी उपस्थिति से स्पष्ट संकेत मिलता है की टीम प्रबंधन इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों को अधिक से अधिक मैच खेलते हुए देखना चाहता है।

गंभीर ने कहा, 'रोहित शर्मा और विराट कोहली अब केवल दो प्रारूप में खेलेंगे, मुझे उम्मीद है कि वह अधिक से अधिक मैच खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।' इसी तरह से चयन समिति के अध्यक्ष अगरकर ने हार्दिक पंड्या को टी20 टीम का कप्तान नहीं नियुक्त किए जाने का कारण स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, 'आप ऐसा कप्तान चाहते हैं जो सभी मैच खेलने की अधिक संभावना रखता हो।'

किसी सवाल का आपको इससे अधिक स्पष्ट जवाब नहीं मिल सकता। यही नहीं अब कप्तान के चयन में नेतृत्वकौशल ही नहीं साथी खिलाड़ियों की राय भी मायने रखेगी। अगरकर के जवाब से यह स्पष्ट भी हो गया। उन्होंने कहा, 'सूर्य को कप्तान क्यों बनाया गया। क्योंकि वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो पिछले एक साल से अधिक समय से भारतीय ड्रेसिंग रूम का हिस्सा है। आपको ड्रेसिंग रूम से काफी फीडबैक मिलता है।'

शाकिब का भारत दौरे पर आना संदिग्ध

ढ़ाका । बांग्लादेश के स्पिन ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का इस साल सितम्बर-अक्टूबर में होने वाले भारत दौरे में खेलना तय नहीं है क्योंकि उनना कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। बांग्लादेश को 19 सितंबर से 12 अक्टूबर तक भारत के खिलाफ दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलने हैं, जिसके मेजबान शहर चेन्नई, कानपुर, धर्मशाला, नई दिल्ली और हैदराबाद होंगे। वहीं शाकिब को 5 जुलाई से अमेरिका में शुरू होने वाले आगामी मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) सीज़न दो में लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स की ओर से खेलना है। शाकिब ने कहा, मेरे पास ज्यादा योजनाएं नहीं हैं। मेरे सामने दो टी20 टूर्नामेंट हैं एक एमएलसी है और दूसरा कनाडा में ग्लोबल टी20 लीग है और मुझे तय करने दीजिये कि इन दोनों टूर्नामेंटों को खेलने के बाद मैं कहां खड़ा हूं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है और पाकिस्तान के खिलाफ एक श्रृंखला है। इसलिए में ज्यादा आगे की नहीं सोच रहा। बढ़ती उम्र को देखते हुए अब मेरे पास तीन चार साल की योजना बनाने का समय नहीं है और इसलिए तीन से छह महीने की योजना बनाना बेहतर है और बाद में अपनी अगली योजना के बारे में सोचूंगा और इसलिए अब तक मैं पाकिस्तान श्रृंखला तक की योजना बना रहा हूं।

दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 241 रनों से हराया

नॉटिंघम । ओली पोप, जो रुट, हैरी ब्रूक की शानदार बल्लेबाजी और उसके बाद क्रिस वोक्स तथा शोएब बशीर की घातक गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 241 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजय बढ़त बना ली है। वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रैथवेट और मिकाइल लुईस की सलामी जोड़ी ने 385 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शुरुआत करते हुये पहले विकेट के लिये 66 रनों की साझेदारी की थी। लेकिन इसके बाद वेस्टइंडीज का कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर नहीं टिक सका। शोएब बशीर और क्रिस वोक्स की घातक गेंदबाजी के आगे वेस्टइंडीज की पूरी टीम 36.1 मात्र 143 रनों ढेर हो गई। शोएब बशीर ने 41 रन देकर पांच विकेट, क्रिस वोक्स ने 28 रन देकर दो विकेट, गस एटकिंसन ने 49 रन देकर दो और मार्क वुड ने 17 रन देकर एक विकेट लिया। इंग्लैंड की ओर से पहली पारी में 121 और दूसरी पारी में 51 रन बनाने वाले ओली पोप प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। इससे पहले जो रूट (122) और हैरी ब्रूक (109) की शतकीय पारी मदद से इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में 425 रन बनाते हुए वेस्टइंडीज के सामने जीत के लिए 385 रन का लक्ष्य रखा था। जो रूट ने अपने करियर का 32वां तथा हैरी ब्रूक ने पांचवां टेस्ट शतक बनाया। वेस्टइंडीज की ओर से जॉडेन सील्स 97 रन देकर चार विकेट विकेट लिये।

रोहित और विराट 2027 वनडे विश्व कप खेल सकते हैं अगर..., गौतम गंभीर ने किया समर्थन

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर ने 2027 वनडे विश्व कप के लिए कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि दोनों में अभी काफी क्रिकेट बचा है और अगर वे अपनी फिटनेस बरकरार रखते हैं, तो वे अगले विश्व कप में खेल सकते हैं।

रोहित और कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की जिससे भारत का 11 साल का आईसीसी खिताब का सूखा समाप्त हो गया। दोनों ने पुष्टि की कि वे खेल के अन्य प्रारूपों में खेलना जारी रखेंगे और गंभीर को लगता है कि बड़े टूर्नामेंटों में प्रदर्शन करने की उनकी असाधारण क्षमता आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे और अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी में देश के लिए महत्वपूर्ण होगी।

गंभीर ने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्होंने दिखा दिया है कि वे बड़े मंच पर क्या कर सकते हैं, चाहे वह टी20 विश्व कप हो या 50 ओवर का विश्व कप। एक बात जो मैं बहुत स्पष्ट रूप से कह सकता हूं, वह यह है कि उन दोनों खिलाड़ियों में अभी बहुत क्रिकेट बाकी है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि चैंपियंस ट्रॉफी (2025 में) और ऑस्ट्रेलिया के बड़े दौरे (नवंबर 2024 में) के साथ, जाहिर है कि वे पर्याप्त रूप से प्रेरित होंगे। और फिर उम्मीद है कि अगर वे अपनी फिटनेस बनाए रख सकते हैं, तो 2027 (वनडे) विश्व कप में भी खेलें। लेकिन यह एक बहुत ही व्यक्तिगत निर्णय है।' उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कह सकता कि उनमें कितना क्रिकेट बचा है। आखिरकार, यह उन पर भी निर्भर करता है, यह खिलाड़ियों पर भी निर्भर करता है। वे टीम की सफलता में कितना योगदान दे सकते हैं। क्योंकि, आखिरकार यह टीम ही है जो महत्वपूर्ण है। लेकिन विराट और रोहित जो कर सकते हैं, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि उनके पास अभी भी बहुत क्रिकेट (खेलने के लिए) है। वे अभी भी विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं और जाहिर है कि कोई भी टीम उन दोनों को यथासंभव लंबे समय तक अपने साथ रखना चाहेगी।' 2027 का वनडे विश्व कप अफ्रीका में आयोजित किया जाएगा क्योंकि दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। रोहित पिछले साल बहुत करीब पहुंचने के बावजूद कोई भी वनडे विश्व कप नहीं जीत पाए। वह 2011 के वनडे विश्व कप विजेता टीम में शामिल नहीं हो पाए थे, जबकि भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अपना दूसरा वनडे खिताब जीता था। कोहली टीम का हिस्सा थे और उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में अहम पारी भी खेली थी। पिछले हफ्ते रोहित ने पुष्टि की कि वह वनडे और टेस्ट में 'कम से कम कुछ समय के लिए' खेलना जारी रखेंगे। रोहित ने अमेरिका में एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान कहा था, 'मैंने अभी कहा, मैं इतना आगे नहीं देखता। तो जाहिर है, आप मुझे कम से कम कुछ समय के लिए खेलते हुए देखेंगे।'

ओलंपिक की तैयारियों में लगे हैं सात्विक और चिराग

नई दिल्ली । भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी इसी माह शुरु हो रहे पेरिस ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। इस भारतीय शीर्ष युगल जोड़ी का कहना है कि वह शारीरिक और मानसिक रुप से फिट रहने पर ध्यान दे रही है। इस जोड़ी का कहना है कि उसे सर्विस में विविधताओं वैरिएशन से निपटना आ गया है। जिससे उसकी राह अब आसान होगी। सात्विक और चिराग को अब तक अपने विरोधी खिलाड़ियों की सर्विस में विविधता से परेशानी होती रही है। वहीं अब चिराग ने कहा कि उन्हें अब इसका सामना करना आ गया है। अब ये जोड़ी अभ्यास और तेजी पर ध्यान दे रही है। ये जोड़ी पिछले ओलंपिक में अपने ग्रुप के तीन में से दो मैच जीतने के बावजूद क्वार्टरफाइनल में नहीं पहुंच पायी थी पर इस बार इसे क्वार्टरफाइनल की बाधा पार करने का भरोसा है। सात्विक के अनुसार टोक्यो ओलंपिक में खेलने के अनुभवों का लाभ उन्हें पेरिस ओलंपिक में मिलेगा। टोक्यो में तब उन्होंने सीखा था कि मुश्किल क्षणों में किस प्रकार से खेला जाता है।

अजीत अगरकर ने मोहम्मद शमी की वापसी पर दिया अपडेट

मुंबई । मुंबई में हाल ही में प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत के नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्टार पेसर मोहम्मद शमी की रिकवरी और नए तेज गेंदबाज़ों के टेस्ट डेब्यू की संभावना सहित कई विषयों पर बात की। भारत के गेंदबाजी आक्रमण के अहम खिलाड़ी शमी टखने की चोट के कारण वनडे विश्व कप 2023 से बाहर हैं, जिसके लिए सर्जरी की आवश्यकता थी। उनकी अनुपस्थिति को काफी महसूस किया गया, खासकर दक्षिण अफ़्रीका दौरे और इस साल की शुरुआत में घरेलू मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान। लेकिन इस पेसर ने नेट्स में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है और राष्ट्रीय टीम में वापसी की तैयारी कर रहे हैं।

57वां बील शतरंज फेस्टिवल - चैलेंजर में वैशाली नें बनाई एकल बढ़त

बील, स्विट्जरलैंड । बील शतरंज महोत्सव के 57वां संस्करण के चैलेंजर वर्ग में भारत की ग्रांड मास्टर स्विट्जरलैंड आर. वैशाली ने लगातार तीन जीत हासिल कर चैलेंजर्स श्रेणी में बढ़त बना ली है है। उन्होंने 17/26 स्कोर के साथ यूएई के सालेम सालेह को पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले वैशाली नें पहले राउंड में नॉर्वे के जोनस भूल को मात देने हुए अपने अभियान की शुरुआत की थी, इसके बाद उन्होने जर्मनी के अलेक्ज़ेंडर डोनचेंकों को पराजित किया और अब तीसरे राउंड में उन्होने उक्रेन की समुएंकोव इहोर को पराजित किया है। इस जीत के साथ वैशाली अब टूर्नामेंट में तो एकल बढ़त पर चल ही रही है साथ ही विश्व रैंकिंग में पहली बार वह 2507 रेटिंग के साथ टॉप 10 में शामिल हो गयी है वर्तमान में वह नौवे स्थान पर है, एक माह बाद होने वाले शतरंज ओलंपियाड के पहले यह भारत के लिए अच्छी खबर है।

दिग्गज गोलकीपर श्रीजेश ने किया संन्यास का ऐलान, पेरिस ओलंपिक के बाद हॉकी को कहेंगे अलविदा

पेरिस (एजेंसी)। अनुभवी गोलकीपर और भारत के पूर्व हॉकी कप्तान पीआर श्रीजेश ने कहा कि पेरिस ओलंपिक उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। भारत के लिए 328 मैच खेलने वाले श्रीजेश के लिए यह चौथा ओलंपिक होगा। कई राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और विश्व कप में खेल चुके 36 साल के श्रीजेश ने 2021 में आयोजित हुए तोक्यो ओलंपिक में शानदार गोलकीपिंग से भारत को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। भारत ने तब इस खेल में 41 साल के पदक के सूखे को खत्म किया था। हॉकी इंडिया ने सोमवार को श्रीजेश को उनके शानदार करियर के लिए बधाई दी।

हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय टीम के लिए 'विन इट फॉर श्रीजेश' का अभियान शुरू किया है जो खिलाड़ियों को फिर से पोडियम पर खडे होने के लिए प्रेरित करेगा। श्रीजेश ने भारतीय टीम के लिए 2010 में पदार्पण किया था। वह 2014 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक और 2018 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले भारतीय टीम के सदस्य रहे है। वह 2018 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की संयुक्त विजेता टीम, भुवनेश्वर में 2019 एफआईएच पुरुष सीरीज फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता टीम और बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक विजेता टीम के सदस्य रह चुके है।

उन्होंने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021-22 में भारत को तीसरे स्थान पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रीजेश को 2021 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और वह 'वर्ल्ड गेम्स एथलीट ऑफ द ईयर' 2021 का पुरस्कार जीतने वाले भारत के केवल दूसरे खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2021 और 2022 में में लगातार दो बार एफआईएच 'गोलकीपर ऑफ द ईयर' का पुरस्कार जीता। उन्होंने पिछले साल एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारतीय टीम स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक 2024 का टिकट पक्का करने में सफल रही।

श्रीजेश ने हॉकी इंडिया से जारी विज्ञप्ति में कहा, 'मैं पेरिस में अपने आखिरी टूर्नामेंट की तैयारी कर रहा हूं, मुझे अपने करियर पर बहुत गर्व है और उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहा हूं। मेरी अब तक की यात्रा असाधारण रही है और और मैं अपने परिवार, टीम के साथियों, सभी कोच, प्रशंसकों और हॉकी इंडिया के प्यार और समर्थन के लिए हमेशा आभारी हूं। मुझ पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद।'

श्रीजेश ने कहा कि उन्होंने टीम के साथियों के साथ ओलंपिक के बाद संन्यास लेने के फैसले से अवगत करा दिया है। उन्होंने कहा, 'मेरे टीम के साथी मुश्किल समय में मेरे साथ खड़े रहे हैं। हम सभी यहां पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं। निश्चित रूप से अपने पदक का रंग बदलना चाहते है।' हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने श्रीजेश को उनके शानदार करियर के लिए बधाई देते हुए कहा, 'श्रीजेश मुश्किल से 18 या 19 साल के थे जब मैंने उन्हें पहली बार भारतीय शिविर में देखा था और अगर मुझे सही याद है, तो जब मैं कप्तानी कर रहा था तब उन्होंने अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था।'

इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'वह एक बहुत ही विशेष खिलाड़ी हैं और भारतीय हॉकी में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए मेरा दिल खुशी और कृतज्ञता से भर गया है।' तिर्की को उम्मीद है कि श्रीजेश के इस फैसले से टीम के खिलाड़ी अपने चहते गोलकीपर को शानदार विदाई देना चाहेंगे। उन्होंने कहा, 'पेरिस में यह दौरा निश्चित रूप से टीम के लिए विशेष होगा और मेरा मानना है कि श्रीजेश का निर्णय टीम को और अधिक प्रोत्साहित करेगा। पोडियम पर फिर से खड़े होने और इसे न केवल श्रीजेश के लिए बल्कि पूरी हॉकी बिरादरी के लिए विशेष बनाने के लिए मैं उन्हें और टीम को शुभकामनाएं देता हूं।'

आईसीसी करेगा टी20 विश्व कप के आयोजन की समीक्षा, तीन सदस्यीय समिति गठित

कोलंबो । अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईसीसी) ने पिछले महीने अमेरिका और वेस्टइंडीज की सह मेजबानी में हुए टी20 विश्व कप के आयोजन की समीक्षा के लिए सोमवार को तीन सदस्यीय समिति गठित की। समिति में न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रोजर ट्वोज और आईसीसी के अन्य दो निदेशक लॉसन नायडू तथा इमरान ख्वाजा को जगह मिली है। आईसीसी की विज्ञप्ति के अनुसार, 'आईसीसी बोर्ड पुष्टि करता है कि आईसीसी टी20 विश्व कप के आयोजन की समीक्षा होगी। तीन निदेशक रोजर ट्वोज, लॉसन नायडू और इमरान ख्वाजा के मार्गदर्शन में यह होगा और ये इसी साल बोर्ड को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे।'

पेजबॉय हेयर स्टाइल 1950 के दशक में विकसित और लोकप्रिय हुआ था, ये ऐतिहासिक रूप से अंग्रेजी पेजबॉय द्वारा पहना जाता था, जिससे कि इस हेयर स्टाइल का नाम पड़ा। 1950 के दशक में कई प्रमुख फिल्म अभिनेत्रियों ने पेजबॉय हेयर स्टाइल रखा था और कई फैशनेबल महिलाओं ने भी अपनाया था।

आप लगें जरा हटके

पेजबॉय स्टाइल

पेजबॉय हेयर स्टाइल एक तरह का हेयरकट है, जो सीधे, मध्यम और लंबे बालों के लिए तैयार किया गया है। पेजबॉय हेयर स्टाइल में बाल को कान के नीचे से काटा जाता है, जहां इसे अंदर की तरफ कर्ल किया जाता है, रिवर्स पेजबॉय हेयर स्टाइल में बाल को बाहर की तरफ कर्ल किया जाता है। हेयर स्टाइल को अक्सर बैंग्स के साथ भी किया जाता है, हालांकि यह जरूरी नहीं है।

एक अच्छी तरह से काटा गया पेजबॉय हेयर कट आसानी से संभाला जा सकता है। 1950 के दशक में यह एक नुकीला, स्टाइलिश लुक था, जो महिलाओं को आकर्षित करता था। किसी भी हेयर स्टाइल के साथ, पेजबॉय में कई सारे बदलाव संभव हो सकता है, कुछ इनमें से वास्तविक हेयर स्टाइल से अलग दिखते हैं। नरम लुक के लिए कुछ स्टाइलिस्ट पेजबॉय में बालों को हलके से कर्ल करते हैं, जिससे कि एक वेव्व हेयर स्टाइल बन सके, जिन लोगों के स्वाभाविक रूप से लहराते बाल होते हैं, वो भी पेजबॉय कट को अपनाते हैं। अन्य स्टाइलिस्ट अधिक संरचनात्मक पेजबॉय कांटेदार परतों के साथ बनाये थे, बजाय क्लासिक सीधे, फ्लैट पेजबॉय के साथ जोड़ कर।

पेजबॉय हेयर स्टाइल का लुक चेहरे पर बहुत अच्छी तरह से सेट होता है, खासकर अगर चेहरे पर थोड़ा सा मेकअप कर लिया जाए, तो ये और भी उभर कर आता है। पेजबॉय आमतौर पर महिलाओं पर देखा जाता है, हालांकि कई अभिनेताओं को फिल्मों में पेजबॉय लुक की वजह से काम मिला है। पेजबॉय हेयर स्टाइल इस सलाह की वजह से उपयोग किया गया, जिससे कि बाल कोमल और चमकदार बने।

यदि आप पेजबॉय हेयर स्टाइल का विचार कर रहे हैं, तो आप एक छवि के लिए खोज पर विचार कर सकते हैं, जिससे कि आप को एक सटीक हेयर स्टाइल मिले। हालांकि पेजबॉय एक बहुत ही बुनियादी हेयर स्टाइल है, पर अगर आप उस पर बदलाव कर रहे हैं और आप की अपनाई जाने वाली शैली का स्पष्ट होना जरूरी है। कई हेयरड्रेसर के पास हेयर स्टाइल की किताबें होती हैं, जिसमें आप विशेष मॉडल की तरह अपने बालों को काटने का अनुरोध कर सकते हैं। बालों को कटवाते समय संचार महत्वपूर्ण है, इसके द्वारा ही आप समझा सकते हैं कि आप को किस तरह का पेजबॉय हेयर स्टाइल चाहिए।

अपने सपने के घर को खरीदना हर किसी के लिए बड़ा रोमांचकारी अहसास होता है। लेकिन इस खुशी में कहीं आप अपने होमलोन को नजरअंदाज तो नहीं कर रही हैं। होमलोन लेते वक्त इन बातों का ध्यान रखेंगी तो कई परेशानियों से बच सकेंगी। हमेशा याद रखें कि होमलोन जंगल के एक शेर की तरह होता है, जो हर माह आपकी सैलरी का आधे से अधिक हिस्सा सालों तक खाता रहता है।

जब लेना हो होमलोन

प्री पेमेंट पेनल्टी

यदि आप अपने लोन का समयपूर्व निपटान करना चाहती हैं तो इसके लिए प्री पैमेंट पेनल्टी क्लॉज होता है, जिसमें कुछ पेनल्टी के साथ आप अपना लोन एक बार में पूरी रकम अदा कर चुका सकती हैं। कुछ बैंक यह पेनल्टी नहीं लेती हैं लेकिन कुछ बैंक परिस्थितियों के अनुसार इसे चार्ज करती हैं। उदाहरण के तौर पर यदि आप सस्ती ऋण दर के कारण किसी दूसरे बैंक से लोन रिफाइनेंस करवाती हैं और पहले बैंक का लोन प्री पैमेंट के जरिए चुकाना चाहती हैं तो इसके लिए वह बैंक जिससे आपने पहले लोन लिया है, आप पर भारी पेनल्टी लगा सकती है।

लोन एग्रीमेंट करने से पहले उसमें दर्ज हर एक बिंदु पर बारीकी से नजर डालें और उसे अच्छी तरह समझने के बाद ही आखिर में उस पर हस्ताक्षर करें।

रेट ऑफ इंटरेस्ट

इंटरेस्ट लिए गए लोन पर ब्याज आपको हर महीने इंस्टॉलमेंट के साथ देना होता है। रेट ऑफ इंटरेस्ट सामान्यत: दो प्रकार के होते हैं, एक फिक्स्ड और दूसरा फ्लोटिंग। इन दिनों फ्लोटिंग रेट का प्रचलन अधिक है। यहां एक अन्य दर भी प्रचलन में आई है, जिसे हम टीजर लोन कहते हैं, इसमें पहले कुछ सालों के लिए ब्याज दर सस्ती होती है।

बेस रेट में बदलाव

बेस रेट में कई बार बदलाव होते हैं। यह प्रत्येक बैंक के इंटरनल पैरामीटर्स और आरबीआई द्वारा रेपो व रिवर्स रेपो रेट में बदलाव पर आधारित होता है। बैंक बेस रेट से नीचे कभी भी ऋण नहीं देता हैं। किसी बैंक के लिए बेस रेट एक बहुत ही महत्वपूर्ण हथियार होता है और इसमें मार्केट कंडीशन के हिसाब से बदलाव होते हैं। उपभोक्ता बेस रेट में बदलाव आने से इंटरेस्ट रेट में बदलाव आने के बाद प्रभावित होता है।

रिसेट क्लॉज

फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट मामले में सामान्यत: रेट फिक्स्ड ही होता है, लेकिन यहां एक रिसेट क्लॉज है, जिसकी मदद से आप बैंक को एक निश्चित अवधि के दौरान अपने फिक्स्ड रेट को बेस रेट के अनुसार बदलाव करने के लिए कह सकती हैं।

सुरक्षा कवर

जब प्रॉपर्टी की कीमतें तेजी से नीचे गिरती हैं तो बैंक सिक्युरिटी कवर के क्लॉज द्वारा आपसे एडिशनल सिक्युरिटी की मांग कर सकते हैं। यदि आप नियमित रूप से अपनी ईएमआई का भुगतान करती हैं तो आप बैंक की इस डिमांड को नकार भी सकती हैं। लेकिन वर्तमान समय में यदि आप अपने लोन अमाउंट के अलावा सिक्युरिटी कवर देने में सक्षम नहीं हैं तो हो सकता है कि बैंक आपको डिफॉल्टर घोषित कर दे।

क्लॉज को समझें

याद रखें कि कर्जदार हमेशा कम से कम महंगी दर पर लोन लेना चाहता है, जबकि बैंकों का लक्ष्य ऋण से लाभ कमाना होता है। हम आगे इन्हीं क्लॉज के बारे में डिसकश करेंगे।

टीजर लोन फीचर्स

टीजर लोन में पहले आपको कम इंटरेस्ट देना होता है और बाद में यह मार्केट रेट के हिसाब से बढ़ता है। यदि आपने यह लोन लिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने अपने लोन की पूरी समयावधि तक दिए जाने वाले इंटरेस्ट रेट को अच्छी तरह समझ लिया है। अधिकांश ऋणी अगले एक से तीन वर्ष की ईएमआई देखते हैं और इसके आधार पर फैसला ले लेते हैं, जबकि सही रास्ता यह है कि लोन शुरू होने के तीन से पांच साल बाद की ईएमआई पर हमें ध्यान देना चाहिए, जब टीजर रेट लागू होते हैं।

फ्लोटिंग रेट लोन

रिजर्व बैंक द्वारा बढ़ाए गए रेट के आधार पर बैंक फ्लोटिंग इंटरेस्ट रेट तो तुरंत बढ़ा देते हैं, लेकिन आरबीआई द्वारा रेट घटाने पर बैंक इंटरेस्ट रेट घटाने में रुचि नहीं दिखाते।

फिक्स्ड रेट लोन

लोन की पूरी अवधि के दौरान फिक्स्ड रेट में कोई बदलाव नहीं होता है। मार्केट कंडीशन के हिसाब से फिक्स्ड रेट को रिसेटिंग करने के लिए बैंक एक क्लॉज भी यहां डालते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि यदि आप फ्लोटिंग रेट का चुनाव करती हैं तो यह आपके लिए तब लाभकारी साबित हो सकता है, जब मार्केट कंडीशन सस्ते इंटरेस्ट रेट के फेवर में हों।

इनका भी रखें ख्याल

- अपनी जरूरत के हिसाब से प्रभावी इंटरेस्ट रेट के आधार पर पहले एक रफ एस्टीमेट बना लें और यह देखें कि आप लंबी अवधि तक इसे आसानी से वहन कर सकती हैं या नहीं। टीजर लोन आपके फायदे के लिए तभी काम कर सकता है ,जब आप लोन को अल्प अवधि में ही समाप्त करने का प्लान करती हैं।
- बेस रेट में कमी आने पर बैंक अपने इंटरेस्ट रेट में भी कमी लाते हैं, लेकिन बैंक यह सुविधा केवल नए लोन लेने वालों को ही देते हैं। इस पर आरबीआई ने फिर से सभी बैंको से कहा है कि यह लाभ पुराने ग्राहकों को भी समान रूप से मिलना चाहिए, इस बिंदू पर भी आप अपने बैंक से चर्चा कर लाभ उठा सकती हैं।
- अंतिम लेकिन सबसे खास बात यह है कि आप बैंक से जो भी बात करें, वह पूरा लिखित में होना चाहिए।

जिम की ओर बढ़ता महिलाओं का रुझान

आज की तेजी से भागती-दौड़ती जिंदगी में हर कोई इतना व्यस्त हो गया है कि उसके पास अपने लिए ही समय नहीं है। और ऐसी महिलाएं, जो सर्विस भी करती हैं, उनके पास तो यकीनन समय का अभाव होता है। हालांकि कहा यह जाता है कि उनके मुकाबले घरेलू महिलाओं के पास काफी समय होता है, लेकिन यह बात घरेलू महिलाओं से बेहतर कोई नहीं जानता कि वे खुद कितनी व्यस्त हैं। शायद यह व्यस्तता का ही दबाव है कि महानगरों में आज एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है।

महानगरों से छोटे शहरों तक: यह बदलाव बताता है कि महिलाएं आज खुद को फिट रखने के लिए जिम जाने लगी हैं। इनमें बड़ी संख्या में घरेलू महिलाएं भी शामिल हैं। मजेदार बात यह है कि यह ट्रेंड महानगरों का ही नहीं है, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों तक में महिलाओं के जिम खुल रहे हैं और इनमें घरेलू महिलाओं की तादाद लगातार बढ़ रही है।

मध्यवर्ग में बढ़ता चलन: यह बात एक लंबे समय से कही जाती रही है कि परिवार चलाने के लिए महिलाओं का फिट रहना बहुत जरूरी है, लेकिन वे कैसे फिट रहें, इसके बारे में कुछ साल पहले तक कोई व्यवस्थित गाइडलाइन नहीं थी। पर वैश्वीकरण और बदलते समाज ने जिम के रूप में परिवार की धुरी रही महिलाओं को फिट रखने का मानो नया मंत्र दे दिया है। जिम की ओर रुख करने वाली महिलाओं में अधिसंख्य महिलाएं मध्यवर्ग की होती हैं। वे खुद जिम का खर्चा वहन कर सकती हैं।

स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता: शालिनी अरोड़ा अपने पति के साथ पिछले पंद्रह साल से जिम जा रही हैं। यह पूछने पर कि वे जिम क्यों जाती हैं, वह हंसते हुए कहती हैं, 'अगर मैं जिम नहीं जा रही होती तो अब तक न जाने कितनी बीमारियों का शिकार हो जाती। जैसे कि ढेर सारी महिलाएं 50 की उम्र के बाद होने लगती हैं। जिम में जाकर, एक घंटा बिता कर अगर मैं फिट रह सकती हूं तो इसमें बुराई क्या है।'

मन को शांति की तलाश: इसी तरह एक और घरेलू महिला संगीता जैन ने बताया कि 'जिम से मन को शांति मिलती है कि हम कम से कम कुछ मेहनत तो कर रहे हैं। हालांकि मुझे ये बात अजीब लगती है कि लोग मेहनत करके पैसा कमाते हैं और मैं यहां पैसा देकर मेहनत करती हूं। पिछले दो साल से मैं रेगुलर जिम आ रही हूं। इसीलिए शायद मैं अपने आप को हमेशा फिट महसूस करती हूं।'

आत्मविश्वास पर सकारात्मक असर: दिलचस्प बात है कि जिम जाने वाली महिलाएं न केवल शारीरिक रूप से फिट दिखाई देती हैं, बल्कि वे मानसिक रूप से भी कहीं ज्यादा फिट नजर आती हैं और यह बात उनके आत्मविश्वास में भी इजाफा करती है। जिम में पिछले कुछ वर्षों में लड़कियों की तुलना में घरेलू महिलाओं का रुझान बढ़ा है, ट्रेनर विजय बताते हैं, 'यह सच है कि पिछले कुछ सालों में लड़कियों की तुलना में घरेलू महिलाओं का रुझान जिम की ओर अधिक हुआ है।

योग क्रियाओं का अभ्यास: गुड़गांव के एक बड़े जिम में पर्सनल ट्रेनिंग देने वाले पवन ने बताया कि बाबा रामदेव द्वारा बताई गई कई एक्सरसाइज महिलाएं हमारे जिम में आकर करती हैं। हम भी उनको इसलिए मना नहीं करते, क्योंकि उसका रिजल्ट कहीं न कहीं उन पर अच्छा दिखता है। हमारे पास कई ऐसी घरेलू महिलाएं पर्सनल ट्रेनिंग के लिए आई हैं, जिनकी उम्र 35 से 55 के बीच है। जाहिर है यह बात सुखद भी है और बदलाव का संकेत भी।

फ्रेंड सर्कल भी बढ़ा: नियमित जिम करने वाली एक और घरेलू महिला सलोनी काफी पढ़ी-लिखी हैं, पर शादी के एक साल बाद उनके पति ने उनकी नौकरी छुड़वा दी थी।

जिम पर अब केवल पुरुषों और नौकरीपेशा महिलाओं का ही वर्चस्व नहीं रहा। पिछले कुछ सालों में महानगरों, शहरों और छोटे कस्बों की घरेलू महिलाओं ने भी जिम की ओर रुख किया है। जिम जाकर ये महिलाएं न केवल खुद को फिट रखना सीख रही हैं, बल्कि वहां का माहौल इन्हें मानसिक रूप से भी एक सुकून दे रहा है।

चीन के केंद्रीय बैंक ने उठाया कदम....धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था को बूस्ट देने

बैंकॉक ।चीन के केंद्रीय बैंक ने अपनी पांच वर्षीय प्रमुख ऋण दर और एक वर्षीय दर दोनों में कटौती की है।यह कदम उसके संपत्ति क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए उठाया है।पांच साल की दर में 10 आधार अंकों की कटौती की गई जिससे यह 3.95 से 3.85 प्रतिशत हुई है।एक साल की दर को 3.45 से घटाकर 3.35 प्रतिशत कर दिया गया।पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने बैंकों के लिए अपनी मध्यम अवधि की ऋण सुविधा के लिए संपार्श्विक आवश्यकताओं को भी कम कर दिया है। बैंक ने कहा कि इसका मकसद बॉन्ड बाजार पर दबाव कम करना है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद से गति हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है।इसमें संपत्ति बाजार में मंदी एक बड़ी बाधा रही है।

अमेरिकी वायुसेना के विमानों को रोकने.....रुस का एक्शन

मास्को ।रूस ने कहा कि उसने आर्कटिक में बैरेंट्स सागर के ऊपर रूसी सीमा की तरफ आ रहे अमेरिकी सेना के लंबी दूरी तक मार करने वाले दो बमवर्षक विमानों को रोकने के लिए अपने लड़ाकू विमानों को भेजा। मॉस्को के रक्षा मंत्रालय ने लिखा, रूसी लड़ाकू विमानों के चालक दल ने हवाई लक्ष्य को अमेरिकी वायुसेना के दो बी-52एच बमवर्षक विमानों के रूप में पहचाना।रूस ने तत्काल अमेरिकी विमान को रोकने के लिए अपने मिग-29 और मिग-31 लड़ाकू विमान भेजे थे।

भूकंप के झटकों से हिला टोक्यो, लोग घरों से आए बहार, कोई नुकसान नहीं

टोक्यो। जापान की राजधानी टोक्यो के उत्तर-पूर्व में सोमवार को भूकंप के झटके महसूस लगे। जापानी मौसम विभाग ने बताया कि सुबह 10ः07 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए जिसकी तीव्रता 4.8 मापी गई है। भूकंप से जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं है लेकिन, झटकों के बाद लोग डर गए और घरों से बाहर निकल कर सड़क पर आ गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप की गहराई का केंद्र 90 किलोमीटर था।जो उत्तरी इबाराकी प्रांत के 36.8 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 140.8 डिग्री पूर्वी देशांतर के करीब आया। भूकंप के झटके मध्य टोक्यो तक महसूस किए गए।जापानी मौसम विभाग ने सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की है। बता दें कि जून 2024 में भी जापान में भूकंप के झटके लगे थे। जापान के फुकुशिमा में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.9 मापी गई।

अर्जेंटीना में डेंगू के करीब साढ़े पांच लाख मामले दर्ज

ब्यूनस आयर्स ।अर्जेंटीना में इस साल अब तक डेंगू के पांच लाख 27 हजार से अधिक मामले दर्ज हुए है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में 3.2 गुना अधिक मामले दर्ज हुए हैं, हालांकि हाल में मामलों में कमी आई है। मंत्रालय के नए राष्ट्रीय महामारी विज्ञान बुलेटिन के अनुसार, इस वर्ष के पहले 28 हफ्तों में स्वास्थ्य अधिकारियों ने 527,517 मामले दर्ज किए।

म्यांमार में बचाए गए 8 भारतीय नागरिक

यंगून। यंगून में भारतीय दूतावास ने कहा कि म्यांमार के म्यावाडी के हापा लू क्षेत्र में नौकरी घोटाले के शिकार आठ भारतीयों को बचाया गया है। भारतीय दूतावास ने उस देश में नौकरी की तलाश कर रहे भारतीय नागरिकों से सावधान रहने को कहा है, ताकि वे फर्जी या अवैध रोजगार के लालच में न फंसें। दूतावास ने कहा कि हापा लू, म्यावाड्डी में एक घोटाला केंद्र के पीड़ित 8 भारतीय नागरिकों को बचाया गया और सुरक्षित रूप से म्यांमार पुलिस/आव्रजन को सौंप दिया गया। पिछले महीने एक सलाह में दूतावास ने कहा कि म्यांमार-थाईलैंड सीमा पर म्यावाडी क्षेत्र में एक अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट सक्रिय है और भारतीयों से क्षेत्र में नौकरी की पेशकश लेने से पहले सावधानी बरतने का आग्रह किया।दूतावास ने कहा कि म्यांमार-थाईलैंड सीमा पर म्यावाड्डी क्षेत्र में सक्रिय अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट का शिकार बनने वाले भारतीय नागरिकों की घटनाओं में वृद्धि हुई है।

टाइटैनिक डूबने से हुई कुल मौतों का रहस्य अब भी बरकरार

लंदन । इतिहास की हैरान करने वाली घटनाओं में शुमार विशाल जहाज टाइटैनिक का डूबना शामिल है। 112 साल पहले हुई इस हादसे की भविष्यवाणी तक की चर्चा आज भी होती है। लेकिन यह आज भी सुर्खियों में रहता है, इसे लेकर कई तरह के रहस्य हैं।इन्हीं में से एक रहस्य इसके डूबने से मरे इंसानों के अवशेषों का गायब रहना है। साल 1985 में इसका मलबा पहली बार देखा गया था। तब से अब तक इसके कई तरह की जांच हो चुकी हैं, लेकिन अब तक इसमें एक भी इंसानी अवशेष, यहां तक कि हड्डियां भी नहीं मिली है। दरअसल टाइटैनिक का मलबा 1985 में समुद्र विज्ञान के प्रोफेसर और अमेरिकी नौसेना अधिकारी रॉबर्ट बैलार्ड ने अपने गहरे समुद्र के रोबोट, आर्गोस का उपयोग करके जहाज खोज निकाला था। इतने साल बीत जाने का मतलब है कि शव सड़ चुके या समुद्री जीवों ने खा लिया, फिर भी आप उम्मीद करते हैं कि जहाज और उसके आस-पास के समुद्री तल में कंकाल मौजूद हो। हड्डियों और कंकालों की कमी का कारण टाइटैनिक की गहराई है जिस पर वह रुका था। यह लगभग 3,800 मीटर की गहराई पर समुद्र तल पर स्थित है और उस गहराई पर पानी की रासायनिक संरचना हड्डियों पर पड़ने वाले असर को बदल देती है। प्रोफेसर बैलार्ड, जिन्होंने बिस्मार्क के मलबे की भी खोज की थी, ने बताया, आपको जिस मुद्दे से निपटना है, वह यह है कि लगभग 914 मीटर से कम गहराई का समुद्री पानी कैल्शियम कार्बोनेट से घुला हुआ या भरा हुआ होता है, जो कि ज्यादातर, हड्डियों से बना होता है। जहां टाइटेनिक डूबा वहां हड्डियां घुल कर पहले ही इधर उधर हो चुकी होंगी।

ट्रंप की सुरक्षा से जुड़े अनुरोध को किया था अस्वीकार.... सीक्रेट सर्विस का स्वीकारनामा

वाशिंगटन ।अमेरिका की कानून प्रवर्तन एजेंसी 'सीक्रेट सर्विस' ने स्वीकार किया है कि राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यक्रमों में सुरक्षा बढ़ाने संबंधी उनके प्रचार अभियान दल के कुछ अनुरोधों को अस्वीकार किया था।

पेनसिल्वेनिया में 13 जुलाई को रैली के दौरान ट्रंप (78) पर एक बंदूकधारी ने कई गोलियां चलाई थीं। हमले में एक गोली ट्रंप के दाहिने कान को छूकर निकल गई थी, जबकि रैली में शामिल एक व्यक्ति मारा गया और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। उधर हमले के तुरंत बाद, कानून प्रवर्तन एजेंसी ने इससे इंकार किया था कि उसने सुरक्षा बढ़ाने संबंधी अनुरोधों को अस्वीकार किया था। लेकिन 'सीक्रेट सर्विस' ने ट्रंप की हत्या के प्रयास के एक सप्ताह बाद, यह स्वीकार किया कि उसने पूर्व राष्ट्रपति के कार्यक्रमों में सुरक्षा बढ़ाने के कुछ अनुरोधों को अस्वीकार किया था। एजेंसी के मुख्य प्रवक्ता एंथनी गुगलिमी ने कहा, ''सीक्रेट सर्विस का मिशन जटिल है। हर दिन हम एक खतरे वाले माहौल में काम करते हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे लोग कई आयोजनों, यात्राओं और अन्य चुनौतीपूर्ण माहौल में सुरक्षित रहें।

मैलोरका में एक द्वीप पर पर्यटन को बढ़ावा देने के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग।

बांग्लादेश में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद हालात शांत पर इंटरनेट सेवा ठप

ढाका । बांग्लादेश में कई हफ्तों से जारी विरोध प्रदर्शनों के हिंसक रूप लेने के बाद सरकारी नौकरियों से जुड़ी विवादास्पद कोटा प्रणाली को वापस लेने के फैसले से हालात शांत होने के बावजूद इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं अब भी ठप हैं। सरकार ने सोमवार को सार्वजनिक अवकाश भी घोषित किया है और केवल आवश्यक सेवाएं चालू रहेंगी। देश में कुछ दिन पहले ही देखते ही गोली मारने के आदेश के साथ कर्फ्यू लगा दिया गया था और सैन्यकर्मी राजधानी और अन्य क्षेत्रों में गश्त कर रहे थे। देश में पुलिस और मुख्य रूप से छात्र प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। प्रदर्शनकारी 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले दिग्गजों के रिश्तेदारों के लिए सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण को समाप्त करने की मांग कर रहे थे। कम से कम चार स्थानीय समाचार पत्रों में बताया गया है कि हिंसा में 100 से अधिक लोग मारे गए हैं। अधिकारियों ने अब तक मौतों के आधिकारिक आंकड़े साझा नहीं किए गए हैं। तनाव बढ़ने पर बृहस्पतिवार को संचार सेवाएं प्रतिबंधित कर दी गई थीं। एक दिन पहले 93 प्रतिशत नौकरियां योग्यता के आधार पर देने और पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण सीमा को घटाकर पांच प्रतिशत तक सीमित करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद सोमवार सुबह तत्काल हिंसा की कोई सूचना नहीं मिली। शेष दो प्रतिशत आरक्षण जातीय अल्पसंख्यकों के साथ-साथ ट्रांसजेंडर और दिव्यांगों के लिए है। रविवार रात को कुछ छात्र प्रदर्शनकारियों ने सरकार से इंटरनेट सेवाएं बहाल करने का आग्रह किया। भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के समन्वयक हसनत अब्दुल्ला ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि जिस पूर्ण बंद के आह्वान को उन्होंने पिछले सप्ताह लागू करने का प्रयास किया था उसे अब वापस ले रहे हैं। उन्होंने कहा, लेकिन हम 'डिजिटल कार्रवाई' को रोकने और इंटरनेट सेवाएं बहाल करने के लिए 48 घंटे की चेतावनी जारी कर रहे हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन के चुनाव से हटने की मूल वजह सामने आई

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रविवार को घोषणा की है कि वह राष्ट्रपति पद का आगामी चुनाव नहीं लड़ेंगे। इसके साथ ही, उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का नाम आगे बढ़ाया है। बाइडेन ने कल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज मैं कमला हैरिस को इस साल हमारी पार्टी का उम्मीदवार बनाने के लिए अपना पूरा समर्थन और सहयोग देना चाहता हूं। डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए एकजुट होकर ट्रंप को हराने का समय आ गया है।'' उधर, बाइडेन के राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की घोषणा के कुछ ही मिनट बाद ट्रंप ने जो बाइडेन को ''अमेरिका के इतिहास में अब तक का सबसे खराब राष्ट्रपति'' बताया।रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को जो बाइडेन ने राष्ट्रपति पद के चुनाव से हटने के बारे में सबसे पहले उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को बताया। इसके बाद जो बाइडेन ने व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ जेफ जिएंट्स और अपने चुनाव अभियान के प्रमुख जेन ओमैली डिलन के साथ एक-एक कर मीटिंग कीं। इसके बाद जिएंट्स ने जो बाइडेन के चुनाव अभियान के स्टाफ और व्हाइट हाउस के स्टाफ की दोपहर 1ः45 बजे बैठक बुलाई, ताकि अमेरिकी राष्ट्रपति उन्हें अपने फैसले के बारे में जानकारी दे सकें। चीफ ऑफ स्टाफ

ने रविवार को दोपहर करीब 2ः30 बजे पूरे व्हाइट हाउस स्टाफ के सामने इस बारे में औपचारिक घोषणा की। रिपोर्ट में कहा गया है कि बाइडेन ने इस सप्ताहांत व्हाइट हाउस के सलाहकार स्टीव रिचेट्टी, वरिष्ठ अभियान सलाहकार माइक डोनिलन, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ एनी टॉमसिनी और प्रथम महिला के वरिष्ठ सलाहकार एंथनी बर्नल के साथ कई बैठकों के बाद यह निर्णय लिया। ये सभी राष्ट्रपति के अवकाश गृह में मौजूद थे।

27 जून को डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन के बीच खुली बहस में बाइडेन की हार के बाद उनकी पार्टी के अंदर ही अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ से उन्हें बाहर होने की मांग बढ़ गई थी, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने जेट लैग और अंतरराष्ट्रीय यात्रा को अपने प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार ठहराया था। रॉयटर्स के मुताबिक, पिछले हफ्ते बाइडेन की पार्टी के भीतर ही उनके अभियान के विरोध में आवाज तेज होने लगी थी। 36 डेमोक्रेट सांसदों ने सार्वजनिक रूप से जो बाइडेन से राष्ट्रपति पद के चुनाव से बाहर होने का आह्वान किया था। इन लोगों ने कहा था कि बाइडेन की मानसिक अवस्था अब इस लायक नहीं रह गई है कि वो अगला चुनाव लड़ सकें।

राजनेताओं पर भड़की पाकिस्तान की सेना, कहा- राजनीतिक माफिया नहीं देखना चाहते हमारी कामयाबी

कुआलालंपुर (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को कहा कि संगठित राजनीतिक माफिया नियोजित नए आतंकवाद विरोधी अभियान %अज़्म-ए-इस्तेहकम% के बारे में गलत सूचना फैला रहा था, जिसका उद्देश्य आतंकवादियों को बाहर निकालना और आर्थिक विकास और स्थिरता को बढ़ावा देना है। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने रावलपिंडी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ऑपरेशन की शुरुआत सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन को विफल करने के लिए एक बड़ा अवैध, राजनीतिक माफिया उठ खड़ा हुआ और उस माफिया का पहला कदम झूठे और नकली तर्कों के माध्यम से ऑपरेशन को विवादास्पद बनाना था। पाकिस्तान के पहले प्रमुख सैन्य अभियानों, ऑपरेशन ज़र्ब-ए-अज़ब और ऑपरेशन रद्द-उल-फसाद का जिक्र करते हुए, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ, एक रिपोर्टर ने पूछताछ की कि क्या वर्तमान ऑपरेशन, आज़्म-ए-इस्तेहकम के दौरान भी इसी तरह के विस्थापन होंगे। यह कोई सैन्य अभियान नहीं है बल्कि एक व्यापक आतंकवाद विरोधी पहल है जिसका उद्देश्य आर्थिक विकास और स्थिरता को बढ़ावा देना है।

उन्होंने पिछले सैन्य अभियानों का जिक्र करते हुए कहा कि हमारा मुद्दा यह है कि हम अपनी राजनीति के कारण हर महत्वपूर्ण मुद्दे को मजाक बना देते हैं। सेना के प्रवक्ता ने कहा कि समस्या यह है कि हम राजनीति की बलिवेदी पर बहुत महत्वपूर्ण मुद्दों की भी बलि चढ़ा रहे हैं और आज़्म-ए-इस्तेहकम इसका एक ऐसा उदाहरण है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह केवल पहले से मौजूद राष्ट्रीय कार्य योजना को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से था, जिसे 2014 में उग्रवाद को खत्म करने के लिए शुरू किया गया था।

कमला का समर्थन कर रामास्वामी ने... भारतीय-अमेरिकियों के प्रतिनिधित्व को बड़ी छलांग

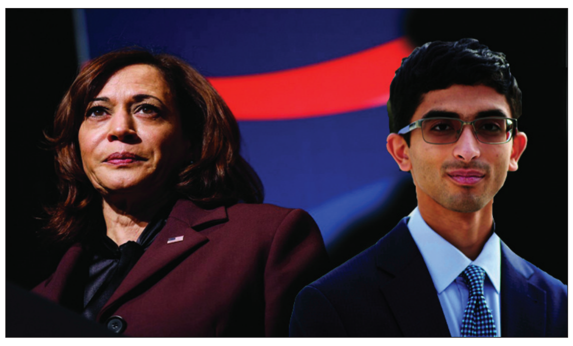

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय मूल के डेमोक्रेटिक नेता अश्विन रामास्वामी ने पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का समर्थन किया। रामास्वामी ने कहा,''यह (कमला का राष्ट्रपति चुना जाना) भारतीय-अमेरिकियों और एएपीआई (एशियाई अमेरिकी और प्रशांत द्वीप समूह निवासी) के प्रतिनिधित्व की दिशा में एक बड़ी छलांग होगा।'' रामास्वामी की यह टिप्पणी तब आई, जब बाइडन ने चुनाव लड़ने में असमर्थता जताकर डेमोक्रेटिक पार्टी की नई उम्मीदवार के रूप में भारतीय-अफ्रीकी मूल की कमला हैरिस के नाम की सिफारिश की। रामास्वामी ने कहा, ''उपराष्ट्रपति कमला अमेरिका की पहली भारतीय-अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में इतिहास रचेंगी। यह अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी और एएपीआई समुदाय के प्रतिनिधित्व की दिशा में एक बड़ी छलांग होगा और मेरे जैसे युवाओं के लिए प्रेरणा साबित होगा। कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन हैरिस की तरह मेरी मां भी चेन्नई के बेसेंट नगर से हैं, जो मेरे लिए बेहद खास बनाता है। रामास्वामी ने कहा कि वह राष्ट्रपति बाइडन के शानदार नेतृत्व के लिए उनके आभारी हैं और उनके नक्शेकदम पर चलते हुए अगले डेमोक्रेट उम्मीदवार के रूप में कमला हैरिस के नाम का समर्थन करते हैं।

कनाडा में रोजगार के लिए भटक रहे भारतीय, वतन वापसी की कर रहे तैयारी

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा में भी रोजगार की समस्या है। यहां भारतीयों को इस समय रिकॉर्ड बेरोजगारी की मार झेलनी पड़ रही है। कनाडा में हाल ही में बसे आप्रवासियों के लिए बेरोजगारी दर जून में 12.6 प्रतिशत थी। यह पिछले 10 वर्षों का सबसे खराब बेरोजगारी स्तर है। कनाडा में स्थायी नागरिकता हासिल करने वालों में सबसे ज्यादा लोग भारतीय हैं। इसलिए भारतीयों पर ही इस बेरोजगारी की मार सबसे ज्यादा पड़ने की संभावना है। हालांकि मामले से जुड़े जानकारों का कहना है कि पिछले आठ महीनों में कनाडा की जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने भारत पर लगाए गए प्रतिबंधों से उनकी समस्या हल नहीं होगी और कनाडा से रिवर्स माइग्रेशन अभी दूर की बात है।

रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में ब्रैम्पटन में कनाडाई पंजाबी सांस्कृतिक सोसायटी के एक सेमिनार में पंजाबी विश्वविद्यालय के रिटायर प्रोफेसर कुलदीप सिंह ने कहा कि कनाडा में छात्रों की संख्या में कमी आई है लेकिन रिवर्स माइग्रेशन तभी संभव है जब भारत की सामाजिक आर्थिक स्थिति कनाडा से बेहतर होगी। इस स्थिति की फिलहाल कोई संभावना बनती नहीं दिख रही है। कुलदीप सिंह ने कहा कि कोई की शख्स तभी वापस लौटने की कल्पना कर सकता है, जब उसे अपने देश में ज्यादा असवरों दिखे। यह अभी भी एक कल्पना है, वास्तविकता से बहुत दूर है। विश्व विकास रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रोफेसर सिंह ने कहा कि अंतररा राष्ट्रीय छात्रों के रूप में दुनियाभर में जाने

वाले भारतीय छात्रों की संख्या 2000 में 2 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 41 प्रतिशत हो गई है। कनाडाई आव्रजन परामर्श के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय छात्रों के कनाडा प्रवास में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। केवल 2019 में 198,235 छात्र भारत से कनाडा आए और इसमें से 71 प्रतिशत अनुपात पंजाब से थे।

कनाडा की राष्ट्रीय सांख्यिकी एजेंसी स्टैटिस्टिक कैनेडा के अनुसार 12.6 प्रतिशत की बेरोजगारी दर 2023 से चार प्रतिशत कम है। कनाडाई मूल के लोगों में बेरोजगारी 5.5प्रतिशत है। साल 2023 में यह 5प्रतिशत थी। ग्लोब एंड मेल की रिपोर्ट के अनुसार, नए आंकड़े बताते हैं कि आप्रवासियों के बीच बेरोजगारी दर 2014 के बाद से सबसे ज्यादा है। आप्रवासियों में बढ़ती बेरोजगारी से भारतीयों के सबसे ज्यादा प्रभावित होने की संभावना इसलिए है क्योंकि हाल के वर्षों में कनाडा की सबसे ज्यादा नागरिकता भारतीयों को ही मिली है। साल 2023 में कनाडा ने 4,71, 810 लोगों को स्थायी नागरिकता दी। इनमें से 1,39,785 या लगभग 30प्रतिशत भारतीय थे। इमिग्रेशन, रेफ्युजीज़ एंड सिटीजनशिप कैनेडा के आंकड़ों के अनुसार, 2019 के बाद से कनाडा आए 18,41,250 नए स्थायी निवासियों में से 5,14,435 भारतीय थे। स्टैटिस्टिक कैनेडा ने एक हालिया रिपोर्ट में खुलासा किया कि जून 2024 में 14 लाख बेरोजगार लोग थे, जो पिछले महीने से 42,000 (+3.1 प्रतिशत) ज्यादा हैं। कनाडा में कंपनियां उच्च ब्याज दरों से जूझ रही हैं। इसी वजह से वे पिछले दो सालों में नियुक्तियां करने में झिझक रही हैं। आप्रवासियों की भारी आमद के कारण कनाडा की जनसंख्या में वृद्धि भी हुई है।

चुनाव अभियान के बीच में राष्ट्रपति की उम्मीदवारी छोड़ना अमेरिका में पहले भी हो चुकी है इस तरह की घटना

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की एक घोषणा ने अमेरिका ही नहीं पूरी दुनिया भी चौंका दिया। उन्होंने घोषणा कि वह राष्ट्रपति पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे। बाइडेन की घोषणा के बाद ही उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के तौर पर सामने आने की चर्चा जोरों पर है तो वहीं बाइडेन ने भी उन्हें अपना समर्थन दे दिया है।

इसी बीच अमेरिकी में राष्ट्रपति चुनाव के इतिहास पर नजर डालें तो यह पहली बार नहीं है कि पद पर रहते हुए किसी राष्ट्रपति ने दूसरी बार सत्ता में वापसी करने का विचार चुनाव अभियान के बीच ही छोड़ दिया हो और खुद को इस रेस से बाहर कर लिया हो। रविवार देर रात को जिस तरह का फैसला जो बाइडेन ने लिया उस तरह की घटना अमेरिका के सियासी इतिहास में साल 1968 में भी हो चुकी है।

1968 में, राष्ट्रपति चुनाव के बीच राष्ट्रपति लिंडन जॉनसन ने उम्मीदवारी से पीछे हटने का फैसला करके सबको चौंकाया था। उन्होंने यह घोषणा वियतनाम युद्ध के बीच में की थी। 1968 में जॉनसन ने महसूस किया था कि वह पार्टी पर नियंत्रण खो रहे हैं और पार्टी के अंदर ही चार विरोधी गुट बन गए थे। वियतनाम युद्ध पर अलग-अलग रुख उन मुद्दों में से एक था जिसने पार्टी को बांट दिया था, वहीं जॉनसन को युद्ध जीतने का भी कोई रास्ता नहीं दिख रहा था। इसके अलावा वह पार्टी को एकजुट बनाए रखने में भी असमर्थ थे। इसके अलावा जॉनसन अपने गिरते स्वास्थ्य को लेकर भी चिंतित थे। वह यह भी मान कर चल रहे थे कि वह एक और कार्यकाल तक जीवित नहीं रह पाएंगे।

28 मार्च को स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों और राजनीतिक पकड़ के ढीली होने के साथ राष्ट्रपति लिंडन जॉनसन ने राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने पर विचार किया और जोसेफ ए. कैलिफ़ानो जूनियर और हैरी मैकफरसन के साथ इस पर चर्चा की. इस मुलाकात के तीन दिन बाद जॉनसन ने खुद को राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से अलग करने का ऐलान कर दिया था।

इसके बाद उपराष्ट्रपति रहे ह्यूबर्ट हम्फ्री को उम्मीदवार बनाया गया, लेकिन रिपब्लिकन उम्मीदवार रिचर्ड निक्सन ने उन्हें हरा दिया और राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की। 5 नवंबर 1968 को रिपब्लिकन उम्मीदवार रिचर्ड निक्सन ने राष्ट्रपति चुनाव जीता और अमेरिका के राष्ट्रपति बन गए थे।

बांग्लादेश में फंसे छात्र.....परेशान पालक लोकसभा अध्यक्ष बिरला से लगा रहे गुहार

कोटा ।पड़ोसी देश बांग्लादेश में आरक्षण की हिंसा जारी है। हिंसा की दहशत में राजस्थान के कोटा-बूंदी जिलों के कई छात्र जो बांग्लादेश में एमबीबीएस करने गए थे, वे फंसे हुए हैं। रविवार रात को भारत लौटे छात्रों में दो छात्र कोटा वापस लौटे हैं। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से भी बांग्लादेश में फंसे अपने बेटे बेटियों की घर वापसी को लेकर माता-पिता से संपर्क साध रहे हैं। भारतीय दूतावास के द्वारा बच्चों को घर लाने की गुहार की जा रही है। हिंसा के दौरान न इंटरनेट वहां काम कर रहा है और ना ही मोबाइल फोन लग पा रहे हैं। परिजन टैक्स मैसेज भेजकर अपने जिगर के टुकड़ों से बातचीत कर रहे हैं। बांग्लादेश के ढाका से कुछ बच्चे रविवार को भारत लौटे हैं।इसमें राजस्थान के कुल 6 बच्चे मौजूद है।उनमें भी कोटा के दो छात्र हैं। लौटे छात्रों ने बताया कि हालत खराब है। हॉस्टल में खाना पीना मिल रहा है। 4 दिन से फोन इंटरनेट बंद है। छात्रों ने बताया कि दो-तीन दिन में हालात सामान्य होने की उम्मीद हैं, लेकिन वह डरे हुए हैं। कुछ परिजन हैं, जो नहीं चाहते कि बच्चों की पढ़ाई खराब हो। कोटा निवासी हिमांशु गुर्जर बांग्लादेश में एमबीबीएस चतुर्थ वर्ष स्टूडेंट है। जो ढाका से लौट आया है। हिमांशु ने कहा कि वसुंधरा मेडिकल कॉलेज का छात्र है। कुछ दूरी पर डेल्टा मेडिकल कॉलेज में अटैक हुआ, चार दिन से वे लोग खतरे में थे। बम धमाकों से डरा हुआ माहौल था। दोपहर में दंगे भड़क गए थे। इसलिए रात 1 बजे के करीब चुपचाप वहां से निकले। हम लोग इतना डर चुके थे कि वहां रहने की बजाय घर आना ज्यादा मुनासिब मान रहे थे और हम लोग कुल 45 छात्र छात्राएं भारत आए हैं। कोटा के दो में एक में और एक अन्य लड़की है। कोटा के खालिद शेख ने कहा की बेटी शुमैला ढाका के केंद्रीय इंटरनेशनल मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कर रही है। दो दिनों से कोटा बूंदी और प्रदेश भर के इसतरह के एमबीबीएस छात्रों का डाटा जुटा रहे थे जो ढाका में है। करीब 70 छात्रों के नाम, पते और जरूरी जानकारी की सूची बनाकर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला तक पहुंचाई गई है। भारतीय दूतावास से मदद ली जा रही है।

कांवड़ यात्रा के चलते दिल्ली-यूपी-हरिद्वार हाईवे पर ट्रैफिक में किया बदलाव

-कांवड़ मेले के लिए सोमवार से स्पेशल ट्रेनें, अतिरिक्त कोच भी लगेंगे

देहरादून ।कांवड़ यात्रा के लिए पुलिस-प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। कांवड़ यात्रा के लिए दिल्ली-यूपी-हरिद्वार हाईवे पर ट्रैफिक डायवर्जन प्लान आज से लागू कर दिया गया है। कमर्शियल गाड़ियों को हाईवे पर नहीं जाने दिया जा रहा है। जबकि, देहरादून, ऋषिकेश और हरिद्वार से यूपी के रास्ते दिल्ली जाने वाली रोडवेज बसों का रूट भी बदला है। कांवड़ यात्रा को लेकर रूट डायवर्जन प्लान रविवार रात 12 बजे से लागू कर दिया था। अब दिल्ली से मेरठ आने वाले 10 टायर और भारी क्षमता वाले वाहनों को गाजियाबाद में रोका जाएगा और इन्हें हापुड़ की ओर से निकाला जाएगा। हापुड़ से ये वाहन किठौर होकर मवाना होते हुए रामराज को निकलेंगे। यहां से इन वाहनों को मुजफ्फरनगर, उत्तराखंड और सहारनपुर भेजा जाएगा। इसके लिए पूरी व्यवस्था बना ली गई है। हरिद्वार में सोमवार से रोडवेज बस अड्डे से बसों का संचालन नहीं होगा। परिवहन निगम ने कांवड़ यात्रा के चलते बढ़ने वाले ट्रैफिक दबाव को देखते हुए चंडीघाट, मोतीचूर और ऋषिकुल मैदान में तीन अस्थायी बस स्टैंड बनाए हैं। पुलिस ने परिवहन निगम से बस स्टैंड को दूसरी जगह डायवर्ट करने का आग्रह किया था। कांवड़ यात्रा में देहरादून-ऋषिकेश रूट की बसें मोतीचूर अस्थाई बस स्टैंड से संचालित होंगी। बिजनौर-नजीबाबाद रूट की बसें चंडीघाट और रुड़की, मुज्जफरनगर, दिल्ली रूट की बसें ऋषिकुल मैदान से चलेंगी। दिल्ली से मेरठ आने वाले वाहनों को गाजियाबाद पुलिस बार्डर पर रोकेगी। ट्रक और भारी वाहनों को एनएच-58 पर प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। वाहनों को हापुड़ से वाया किठौर होते हुए मवाना और वहां से बहसूमा से रामराज होकर गुजारा जाएगा। यहां से मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और देहरादून के लिए भेजा जाएगा। आने वाले वाहनों को इसी रूट से गाजियाबाद-दिल्ली भेजा जाएगा। कांवड़ मेले के लिए सोमवार से स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। साथ ही मेला अवधि के लिए दो ट्रेनों का हरिद्वार स्टेशन तक विस्तार किया जा रहा है। आठ ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए जाएंगे। वहीं, छह ट्रेनों को ज्वालापुर, मोतीचूर और रायवाला स्टेशन पर रोका जाएगा।

यूपी के बाद अब पश्चिम बंगाल में पटरी से उतरी ट्रेन, सुधार कार्य जारी

कोलकाता। रेल दुर्घटनाओं मे दिन ब दिन इजाफा होता जा रहा है। हाल ही में दो रेल हादसों से पूरा रेल प्रशासन हिल गया था अभी उससे उबरे भी नहीं थे कि अब पश्चिम बंगाल में एक और हादसा हो गया है। यहां रानाघाट में एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हादसे की खबर मिलते ही मौके पर रेलवे के अधिकारी पहुंच गए। बोगियों को पटरियों पर लाने का प्रयास शुरु कर दिया। पिछले एक हफ्ते में चौथी घटना है। इससे पहले शनिवार को यूपी में अमरोहा रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ था। तीन दिन में यूपी में यह दूसरी ऐसी घटना है। गुरुवार शाम को गोंडा में एक यात्री ट्रेन के आठ डिब्बे पटरी से उतर गए, जिसमें चार यात्रियों की मौत हो गई थी कई घायल हो गए थे। बता दें कि यूपी के गोंडा में गुरूवार को एक एक्सप्रेस ट्रेन हादसे का शिकार हो गई। चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जाने वाली ट्रेन गोंडा में स्टेशन को क्रॉस करने के बाद हादसे का शिकार हो गई। इस हादसे में चार यात्रियों की मौत हो गई। जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। लगातार हो रहे हादसों से एक बार फिर रेल मंत्रालय की पोल खुल गई है।

रिटायर्ड फौजी बना कसाई.....छोटे भाई के परिवार के 5 लोगों की हत्या

अंबाला ।हरियाणा के अंबाला जिले में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक शख्स ने अपने छोटे भाई के परिवार की निर्ममता से हत्या कर दी। गांव रतो में एक रिटायर्ड फौजी ने अपने छोटे भाई के परिवार के 5 लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आरोपित ने शवों को जलाने की कोशिश भी की। वहीं घटना की सूचना मिलने पर एसपी रात 3 बजे मौके पर पहुंचे। अधजले शवों को अंबाला कैंट अस्पताल पहुंचाया गया है। वहीं घटना में दो लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। रिटायर्ड फौजी भूषण ने अपने ही भाई, भाभी, 6 माह का भतीजा, 5 साल के भतीजी व मां की हत्या की। इस बीच पिता ओम प्रकाश ने विरोध किया, तब पिता से मारपीट कर घायल कर दिया। जबकि भाई की एक बेटी को गंभीर रूप से घायल कर फरार हुआ। मृतकों की पहचान भाई 35 वर्षीय हरीश, भाभी 32 वर्षीय सोनिया, मां 65 वर्षीय सरोपी, 5 वर्षीय य ?शिका, 6 माह का भतीजा मयंक के रूप में हुई। घायल पिता ओम प्रकाश नारायणगढ़ के नागरिक अस्पताल में भर्ती है। जबकि मृतक की एक बेटी को चंडीगढ़ पीजीआई रेफर कर दिया गया है।

सोमवार बना काल, नहाने गए 11 बच्चे गंगा में डूबे, 7 को बचाया, चार की मौत

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले में सावन के पहले ही सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। जहां जहाज घाट पर नहाने गए 11 बच्चे नहाते समय गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। स्थानीय लोगों की मदद से सात बच्चों को बचा लिया गया। जबकि चार बच्चों की डूबने से मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक घटना नारायणपुर प्रखंड अंतर्गत भवानीपुर थाना क्षेत्र के मथुरापुर जहाज घाट की है। सोमवार को सावन के पहले सोमवार पर नवगछिया नया टोला गांव के 11 बच्चे गंगा नदी में नहाने के लिए मधुरापुर गंगा जहाज घाट गए थे। नहाते समय वह गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। वहां मौजूद लोगों ने देखा तो बचाने के लिए पानी में कूद पड़े और सात बच्चों को बचा लिया गया। जबकि चार बच्चे शिवम कुमार (18) पिता दिगंबर शर्मा, सोनू कुमार (16) पिता दिलीप गुप्ता, आलोक कुमार (18) पिता संतोष भगत, संजीव कुमार (17) पिता अरुण कुमार शाह की मौत हो गई।

सभी मृतक नया टोला के रहने वाले थे।

वहीं घटना की सूचना मिलते ही भवानीपुर थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर महेश कुमार, अंचलाधिकारी विशाल अग्रवाल, आरओ भरत कुमार झा, समेत कई पदाधिकारी मौके पर पहुंच गए और मामले की जांच में जुट गए। गोताखोरों की मदद से तीन मृतक बच्चों के शव नदी से निकाल कर परिजनों को सौंप दिए हैं। खबर लिखे जाने तक एक की खोजबीन जारी थी। इस हादसे के बाद गांव में मातम पसर गया है परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संसद में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से राहुल गांधी की तीखी नोकझोंक, नीट को लेकर लगाए गये आरोप-प्रत्यारोप

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पिछले काफी समय से नीट एग्जाम को लेकर लगातार विवाद चल रहा है। विवाद बढ़ने के बाद अब इस पर बहस की गूंज संसद में भी सुनाई पड़ रही है। नीट पर मचे विवाद पर राहुल गांधी ने आज संसद में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से कई सवाल किए। गांधी के के सवालों का धर्मेंद्र प्रधान ने तीखा जवाब दिया जिसके बाद संसद में दोनों के बीच गर्म बातचीत हुई। कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2024 में कथित लीक को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से तीखी नोकझोंक की।

राहुल गांधी ने कहा, 'पूरे देश को यह स्पष्ट है कि हमारी परीक्षा प्रणाली में बहुत गंभीर समस्या है, न केवल नीट में बल्कि सभी प्रमुख परीक्षाओं में।' 'मंत्री (धर्मेंद्र प्रधान) ने खुद को छोड़कर सभी को दोषी ठहराया है। मुझे नहीं लगता कि उन्हें यहां जो कुछ हो रहा है, उसके मूल सिद्धांतों की भी समझ है।' गांधी ने भारतीय परीक्षा प्रणाली की अखंडता पर चिंता व्यक्त करते हुए दावा किया कि लाखों छात्र इसे धोखाधड़ी मानते हैं। उन्होंने कहा, 'लाखों लोग मानते हैं कि अगर आप अमीर हैं और आपके पास पैसा है, तो आप भारतीय परीक्षा प्रणाली को खरीद सकते हैं और विपक्ष भी यही सोचता है।' उन्होंने इस मामले पर एक दिन की अलग चर्चा की मांग की।

हालांकि, प्रधान ने गांधी के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि पिछले सात सालों में पेपर लीक का कोई सबूत नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि मामला फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में है और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के तहत 240 से अधिक परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित की गई हैं। सरकार को घेरने की कोशिश में गांधी ने पूछा, 'चूंकि यह (नीट) एक व्यवस्थित मुद्दा है, तो आप इस मुद्दे को ठीक करने के लिए क्या कर रहे हैं?'

प्रधान ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'सिर्फ़ चिल्लाने से झूठ सच नहीं हो जाता। विपक्ष के नेता का यह कहना कि देश की परीक्षा प्रणाली बकवास है, बेहद निंदनीय है।' चर्चा तब और विवादास्पद हो गई जब समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने इस मुद्दे से निपटने के सरकार के तरीके की आलोचना करते हुए इस मामले में शामिल हो गए। यादव ने कहा, 'यह सरकार पेपर लीक का रिकॉर्ड बनाएगी।' 'कुछ केंद्र ऐसे हैं जहां 2,000 से अधिक छात्र पास हुए हैं। जब तक यह मंत्री (शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान) हैं, छात्रों को न्याय नहीं मिलेगा।'

कारोबारियों की सरकार... जनविरोधी बजट ही पेश करेगी : कांग्रेस नेता

बीते 10 सालों में सरकार ने यही किया

नई दिल्ली ।संसद का बजट सत्र सोमवार को शुरू हो चुका है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का बजट सत्र 12 अगस्त तक चलेगा। बजट सत्र में विपक्ष सरकार को घेरने की कोशिश में जुट गया है। कांग्रेस सांसद कोडिकुन्नील सुरेश ने कहा पिछले दो कार्यकालों में पेश किए बजट जनविरोधी थे और इस बार भी कुछ ऐसा ही होगा। उनके मुताबिक बजट केवल कारोबारियों को ध्यान में रख बनाया जा रहा है। कांग्रेस नेता सुरेश ने मोदी सरकार पर निशाना साधकर कहा, आज 18वीं लोकसभा का पहला बजट है। सोमवार को लोकसभा में आर्थिक सर्वेक्षण भी पेश किया जा रहा है। मोदी सरकार देश पर शासन करते हुए तीसरी बार सत्ता में आई है। पिछले दो कार्यकालों में जो बजट पेश किया गया था, वहां जनविरोधी बजट था। मुझे लगता है कि इस बार भी उन्होंने आम लोगों के लिए कोई कल्याणकारी योजना नहीं दी है। वे केवल कॉरपोरेट्स को बचाने और बदलने का काम कर रहे हैं। पिछले बजट में भी कॉरपोरेट्स के हितों को ध्यान में रखा गया था। इस बार भी वे कॉरपोरेट्स का ही ध्यान रखने वाले हैं। उन्होंने कांवड़ यात्रा को लेकर कहा कि भाजपा सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करना चाहती है, इसलिए इस साल कांवड़ यात्रा पर वे दुकानदारों और दुकान मालिकों के लिए नेमप्लेट को लेकर आदेश लाए हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और यह संविधान के खिलाफ है और हमारे सांप्रदायिक सद्भाव के हित के भी खिलाफ है।

शरणार्थियों को शरण देने का फैसला केंद्र सरकार करती है कोई भी राज्य नहीं

-बांग्लादेशियों को शरण देने के ममता बनर्जी के बयान पर रविशंकर भड़के

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की तेज तर्रार सीएम ममता बनर्जी ने बांग्लादेशी शरणार्थियों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि हिंसा प्रभावित बांग्लादेश के लोग अगर बंगाल आना चाहेंगे तो वह उन्हें शरण देंगी। इस पर सियासत शुरु हो गई है। ममता के बयान पर बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह वहीं ममता बनर्जी हैं, जिन्होंने सीएए के तहत हिंदू, सिख और पारसियों को मिलने वाली नागरिकता का विरोध किया था। रविशंकर ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ममता बनर्जी ने कहा है कि बांग्लादेश के लोगों को वह बंगाल में शरण देंगी। यह ममता वहीं हैं, जिन्होंने सीएए के मुद्दे पर कहा था कि हम किसी भी हिंदू, सिख और पारसी शरणार्थियों को बंगाल में शरण नहीं देंगे। ममता बनर्जी ने हमेशा ही सीएए का विरोध किया है। शरणार्थियों को शरण देने का फैसला केंद्र सरकार करती है। कोई भी राज्य ऐसा फैसला नहीं ले सकता है। उन्होंने 1971 युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान भी शरणार्थियों को शरण देने का फैसला केंद्र सरकार ने ही किया था। बांग्लादेश में जो भी चल रहा है, वह उसका आंतरिक मामला है। ममता ने कहा कि हिंदुस्तान के संबंध बंगाल के साथ अच्छे हों, इस बयान का क्या मतलब है।

रविशंकर ने इंडिया गठबंधन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के लोग वोट बैंक के लिए देश की एकता और अखंडता से समझौता करने को तैयार हैं। बंगाल की बात करें तो आजादी के समय तीन जिले मुस्लिम बहुल थे, लेकिन आज यहां 9 जिले मुस्लिम बहुल हैं। बंगाल में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिए भरे पड़े हैं। एनआईए की रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि आतंकियों और घुसपैठियों को बंगाल में संरक्षण मिलता है। रविशंकर ने कहा कि ममता का बयान गैर-जिम्मेदाराना है। हम विपक्ष से पूछना चाहते हैं कि क्या वह देश के टुकड़े करना चाहते हैं।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं... तुरंत इस्तीफा दें नीतीश कुमार

-राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का हमला

पटना (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने बिहार को विशेष श्रेणी का दर्जा देने की किसी भी योजना को सिरे से खारिज किया है, जो उसके प्रमुख सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) की मुख्य मांग रही है। इसके बाद राष्ट्रीय जनता दल ने जेडीयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कटाक्ष किया है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा कि इस फैसले के बाद नीतीश को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए, उन्होंने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने का वादा किया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम विशेष राज्य का दर्जा लेकर रहने वाले है। राजद ने लिखा कि बिहार को नहीं मिलेगा विशेष राज्य का दर्जा !- संसद में मोदी सरकार। राजद ने पोस्ट में लिखा कि नीतीश और जेडीयू वाले अब आराम से केंद्र में सत्ता का रसास्वादन करते हुए विशेष राज्य के दर्जे पर ढोंग की राजनीति करते रहें! जबकि मोदी सरकार ने सोमवार को संसद में साफ कर दिया कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया जा सकता। खबरों के मुताबिक केंद्र सरकार ने संसद में इसका लिखित जवाब दिया है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि यह निर्णय ऊपर सूचीबद्ध सभी कारकों और राज्य की विशिष्ट स्थिति के एकीकृत विचार के आधार पर लिया गया था। इससे पहले, विशेष श्रेणी के दर्जे के लिए बिहार के अनुरोध पर एक अंतर-मंत्रालयी समूह (आईएमजी) ने विचार किया था, जिसने 30 मार्च, 2012 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी।

महाराष्ट्र में बदली रणनीति... अब उद्धव नहीं पवार शाह के निशाने पर

-भाजपा का एहसास, महाराष्ट्र पवार ही रिंग मास्टर

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों ने पूरे देश में राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं। सबसे ज्यादा असर यूपी और महाराष्ट्र में दिख रहा है। जिस तरह राजनैतिक रुप से बर्बाद हो चुके पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने महाराष्ट्र की राजनीति में बाउंस बैक किया है, इसके बाद बीजेपी की चिंता भी स्वाभाविक दिखाती है।

महाराष्ट्र में पहले उद्धव ठाकरे बीजेपी के निशाने पर आगे हुए करते थे, लेकिन अब उस जगह शरद पवार आ गए हैं। अब बीजेपी को भी लगने लगा है कि पवार ही रिंग मास्टर बने हुए हैं। इतना ही नहीं भगवा दल को एहसास हो गया हैं सबसे बड़ी चुनौती भी वही हैं, न कि उद्धव ठाकरे और उनकी टीम के लोग। महाविकास आघाड़ी में कांग्रेस भी है, लेकिन बीजेपी का उससे वास्ता पूरे देश में है। अव्वल अजित पवार के भी बीजेपी के साथ बने रहने पर सवाल उठने लगे हैं, लेकिन जब तक साथ है तब तक वे यथाशक्ति बीजेपी काम आ ही रहे हैं। जूनियर पवार की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में सीनियर पवार के साथ हुआ सलूक भी यही बता रहा है, बशर्ते मीटिंग में मौजूद बारामती सांसद सुप्रिया सुले का दावा सही है।

लोकसभा चुनाव में 400 पार का नारा भले ही फेल हो गया हो, लेकिन केंद्रीय मंत्री अमित शाह अब महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद महायुति की सत्ता में भारी बहुमत से वापसी का दावा कर रहे हैं, और साथ में कहते हैं, आने वाले 30 साल तक देश में बीजेपी का राज रहेगा... ये ऐलान शिवाजी महाराज की धरती से कर रहा हूं। दावा करते हैं, बीजेपी विधानसभा चुनाव में विपक्ष के झूठ का पर्दाफाश करेगी और फिर से महायुति से सरकार बनेगी।

खालिस्तानियों ने दी संसद भवन और लाल किला उड़ाने की धमकी

-सांसद वी शिवदासन को आया फोन, राज्यसभा के सभापति को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल से राज्यसभा सांसद वी शिवदासन को धमकी भरा फोन आया है। सांसद के मुताबिक उन्हें फोन पर धमकी दी गई कि संसद भवन और लाल किले को बम से उड़ा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह धमकी भरा फोन कॉल खालिस्तान समर्थक सिख फॉर जस्टिस (एसजेएफ) के नाम किया गया था। इस बात को लेकर सांसद वी शिवदासन ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को एक पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि उन्हें एसजेएफ के नाम पर फोन कॉल आया था। वी शिवदासन केरल से सीपीआई (एम) के सांसद हैं। धमकी देने वाले ने गुरपतवंत सिंह पन्नू का भी नाम लिया है।

राज्यसभा सभापति को पत्र में सांसद वी शिवदासन ने लिखा है कि मुझे सिख फॉर जस्टिस (एसजेएफ) के नाम पर एक धमकी भरा फोन आया था। उन्होंने लिखा है कि यह धमकी 21 जुलाई को रात 11 बजकर 30 मिनट पर मिली। सांसद ने बताया कि जिस वक्त उनके पास फोन आया वह आईजीआई एयरपोर्ट लाउंस में थे और उनके साथ सांसद ए रहीम थी मौजूद थे।

सांसद वी शिवदासन ने अपने पत्र में फोन कॉल का ब्योरा भी दिया है। उन्होंने लिखा है कि फोन कॉल पर उनसे कहा गया कि सिख फॉर जस्टिस खालिस्तानी जनमत संग्रह के संदेश के साथ संसद भवन और लाल किले को बम से उड़ा देगा। आगे कहा गया है कि इसका मकसद भारतीय शासकों की आंख खोलना होगा, जिनके चलते सिखों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। इसके आगे सांसद शिवदासन से कहा कि अगर आप खालिस्तानी जनमत संग्रह का अनुभव नहीं करना चाहते हैं तो घर पर ही रहें। साथ ही कहा गया कि यह संदेश सिख फॉर जस्टिस के जनरल काउंसिल गुरपतवंत सिंह पन्नू के नाम पर है। सांसद ने अपने पत्र में बताया है कि उन्होंने मामले की जानकारी नई दिल्ली के डीसीपी को देते हुए शिकायत दर्ज करा दी है। साथ ही उन्होंने मामले का संज्ञान लेते हुए आगे की कार्रवाई के लिए अनुरोध किया है।

अरे बाबा रे... राजस्थान में जानवरों की पुतलियों और पैरों के निशान से बन रहे फर्जी आधार कार्ड

-संसदीय कार्य मंत्री ने कहा सरकार एक्शन ले रही

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में जिस तरह बड़ी संख्या में फर्जी आधार कार्ड मिले हैं, वे राष्ट्रीय चिंता का विषय बन गया है, क्योंकि फर्जी आधार के ज्यादात्तर मामले पाकिस्तान की सीमा से लगे सांचौर और अन्य जिलों में सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि इन क्षेत्रों में जानवरों की पुतलियों और पैरों के निशान का इस्तेमाल कर आधार कार्ड बनाए जा रहे थे। मामले के सामने आने के बाद राज्य के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा है कि भजनलाल सरकार पूरे राज्य में फर्जी आधार कार्ड बनाने वालों के खिलाफ अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा है कि इसके लिए विशेष टीमें बनेगी जो ई-मित्र/आधार केंद्रों की जांच करेंगी। उन्होंने विधानसभा में सदस्यों को आश्वस्त किया कि सघन अभियान चलाकर फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाने वाले आधार केंद्रों एवं ई-मित्र संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी।

मंत्री ने गत सप्ताह विधानसभा में कहा कि इसके लिए राज्य के सभी ई-मित्रों और आधार केन्द्रों की जांच की जाएगी तथा आधार मशीनों की वार्षिक रिपोर्ट मंगाकर उनकी भी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि ई-मित्र संचालकों द्वारा निःशुल्क सेवाओं तथा सशुल्क सेवाओं की राशि की जानकारी केंद्र के बाहर लिखा जाना अनिवार्य किया जाएगा, ताकि आमजन से सेवाओं का अधिक शुल्क नहीं वसूला जा सके। पटेल, रानीवाड़ा से विधायक रतन देवासी द्वारा इस संबंध में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से उठाये गए मामले पर जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सीमावर्ती जिलों में संचालित अधिकृत आधार केंद्रों द्वारा फर्जी आधार कार्ड बनाया जाना राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा बेहद गंभीर मामला है। राज्य सरकार द्वारा इसतरह के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई हो रही है। उन्होंने बताया कि 21 जून, 2024 को फर्जी दस्तावेजों एवं बायोमैट्रिक का उपयोग कर फर्जी आधार कार्ड बनाए जाने की खबर प्रकाशित होने पर सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए नई दिल्ली स्थित भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण से आधार कार्ड के संबंध में जांच करवाई गई। पटेल ने बताया कि सांचौर जिले में फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले ई-मित्र संचालकों के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किए गए, जिनमें से एक प्रकरण में जांच के दौरान आधार कार्ड का नामांकन रजिस्ट्रार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के अधीन कार्यरत ऑपरेटर कन्हैयालाल की आईडी से होना पाया गया। प्रकरण में संलिप्त ई-मित्र एवं आधार संचालकों के खिलाफ 21 जून 2024 को सरवाना थाना में प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई।

पटेल ने कहा कि इस प्रकरण की जांच सीबीआई को स्थानांतरित करने के लिए अधिसूचना एवं आवश्यक सूचनाएं अनुरोध पत्र के साथ केंद्र को भेज दी गई हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण में नामजद आरोपी तोगाराम, गणपत सिंह व कन्हैया लाल फरार हैं। मंत्री ने कहा कि आरोपियों की तलाश कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। सांचौर जिले के दूसरे प्रकरण में मुकदमा दर्ज कर आरोपी मनोहर लाल को 21 जून 2024 को अपराध प्रमाणित पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया। अन्य अभियुक्त विकास, रमेश एवं सुनील की गिरफ्तारी शेष है और मामले की जांच जारी है।

उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि किसी भी ई-मित्र या आधार केन्द्र संचालक के फर्जी आधारकार्ड बनाने में संलिप्तता पाए जाने पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सूरत के चांदीपुरा संदिग्ध मामले में ११ साल की बच्ची की मौत,

सात दिन में आएगी सैंपल रिपोर्ट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

चांदीपुरा वायरस का पहला संदिग्ध मामला पिछले शनिवार को सूरत में सामने आया था। ११ साल की बच्ची की हालत बेहद गंभीर थी. आज सुबह उनका निधन हो गया. लड़की ३६ घंटे तक मौत से लड़ती रही और आखिरकार उसकी मौत हो गई। फिलहाल बच्ची का सैंपल लेकर रिपोर्ट के लिए गांधीनगर भेज दिया गया है. रिपोर्ट के बाद और जानकारी सामने आएगी.

शहर में शामिल नए इलाके कनकपुर के स्लम बोर्ड इलाके में रहने वाली ११ साल की बच्ची को बुखार के बाद उल्टी होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया . शुक्रवार रात करीब १२ बजे बच्ची को बुखार आया तो परिजनों ने डोलो दवा दी, शनिवार सुबह उसे उल्टी होने लगी तो निजी मेडिकल स्टोर से दवा लाई गई। जब सचिन की तबीयत ठीक नहीं हुई तो परिजन बच्ची को एक निजी अस्पताल ले गए।

तीन बार आयी ऐंठन इलाज के दौरान उसे दोपहर में तीन बार ऐंठन होने लगी. इसलिए उसे निजी अस्पताल से न्यू सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया। जब वह न्यू सिविल अस्पताल में इलाज के लिए आई तो ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने बच्ची की हिस्ट्री देखने के बाद चांदीपुरा वायरस के संदिग्ध लक्षण देखे और तुरंत उसे वेंटीलेटर पर रखकर इलाज शुरू किया और जल्दी सैंपल लिए।

लड़की के पिता , जिन्हें पहले कभी दौरा नहीं पड़ा था, ने कहा कि उनकी ११ वर्षीय बेटी, जो छठी कक्षा में पढ़ती है, शुक्रवार की रात बीमार पड़ गई और सिविल अस्पताल के डॉक्टरों ने उससे पूछताछ की। केवल बुखार के बाद उल्टी हुई। दो-तीन बार ऐंठन की समस्या हो चुकी है. उसे पहले कभी दौरा नहीं पड़ा था। हम सूरत छोड़कर किसी दूसरे शहर या कहीं और नहीं गए हैं।'

लड़की ३६ घंटे तक अस्पताल में भर्ती रही जिगीशा पटाडिया (बाल रोग विभाग, सूरत सिविल) ११ साल की लड़की ३६ घंटे तक सिविल अस्पताल में भर्ती रही। जिनकी आज सुबह तड़के मौत हो गई. अतरानी को सूरत सिविल अस्पताल में आवश्यक उपचार दिया गया लेकिन जब उन्हें सूरत सिविल लाया गया तो उनकी हालत बहुत गंभीर थी। चांदीपुरा वायरस की आशंका के चलते इसके सैंपल गांधीनगर भेजे गए हैं। उसकी रिपोर्ट सात दिन बाद आएगी।

शहर में शामिल नए इलाके कनकपुर के स्लम बोर्ड इलाके में ११ साल की बच्ची में चंडीपुरा वायरस के लक्षण दिखाई देने पर सिस्टम चालू हो गया. स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा ३११ घरों का सर्वे किया गया। सर्वे अभियान के दौरान घरों के आसपास कीटनाशक, अवशिष्ट स्प्रे का छिड़काव किया गया।

मूसलाधार बारिश से सूरत में बाढ़ : कई इलाके जलमग्न

पिछले २४ घंटों में ६० से अधिक पेड़ गिरे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

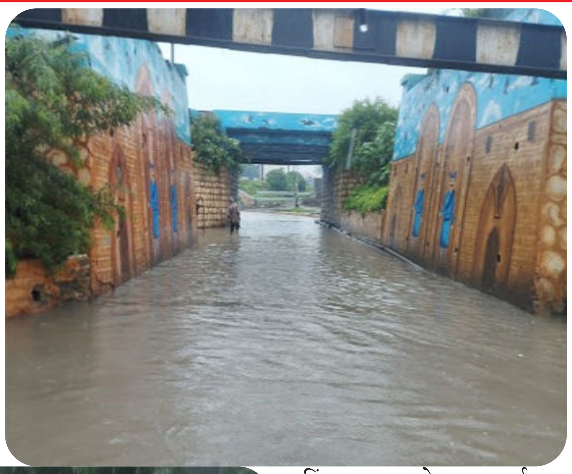

राज्य के सौराष्ट्र समेत दक्षिण गुजरात जिले में भारी बारिश हुई है. फिर सूरत में कल से कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है. जिसमें आज सुबह १० बजे तक सूरत के इलाकों में डेढ़ इंच से ज्यादा बारिश हुई, कई इलाकों में पानी भर गया है. इसके अलावा भारी बारिश के कारण पिछले २४ घंटे में ६० पेड़ गिरने की जानकारी भी अग्निशमन विभाग की ओर से दी गयी.

सूरत के कई इलाकों में भारी बारिश मौसम विभाग ने जहां दक्षिण गुजरात के इलाकों में रेड अलर्ट जारी किया है, वहीं सूरत में सुबह से ही भारी बारिश हो रही है. जिसमें आज सुबह १० बजे तक उगरपाड़ा में ढाई इंच, कामरेज में ढाई इंच, पलसाणा में ढाई इंच और बारडोली में सवा इंच बारिश हुई है. इसके साथ ही महुवा, ओलपाड़ा, चोयासी, मांडवी, मांगरोल समेत इलाकों में एक मिमी से आठ मिमी. तक बारिश होने की सूचना है दूसरी ओर, शहर में कल शाम पांच बजे तक तेज हवाओं और बिजली गिरने के साथ भारी से भारी बारिश हुई। भारी बारिश के कारण कई निचले इलाकों में पानी भर गया और लोगों को आपदा का सामना करना पड़ा. इसके अलावा, तेज हवाओं के

साथ हुई बारिश में कई पेड़ गिरने से अग्निशमन विभाग की टीमें दौड़ रही हैं। कई इलाकों में पानी भर गया शाम ६ से ८ बजे तक दो घंटे के अंदर सूरत में चार इंच बारिश हुई, जबकि मूसलाधार बारिश से सूरत के कई इलाकों में पानी भर गया. जिसमें डुंभाल, लिंबायत जोन कार्यालय, लिंबायत मीठी खाड़ी, महादेव मंदिर, राधे कृष्ण मंदिर के अंतर्गत आने वाले इलाकों में पानी भर गया।

सूरत में मूसलाधार बारिश के बाद कई इलाकों में पानी भर गया और पेड़ गिर गए, वहीं दमकल विभाग ने बताया कि भारी बारिश के बीच पिछले २४ घंटों में ६० पेड़ गिरे. जिसमें शहर में पेड़ गिरने की कॉल मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम दौड़ पड़ी. इसके अलावा शहर में बड़ी संख्या में पेड़ गिरने से यातायात जाम हो गया।

सूरत में लगातार दूसरे दिन भारी बारिश हो रही है, साथ ही सूरत नगर पालिका के वीआईपी और मॉडल जोन आठवें जोन की भी हालत खराब हो गई है भारी बारिश के कारण बुरा हाल है. अठवा जोन के कई इलाकों में जलजमाव हो गया है. कई सड़कें पानी में ऐसे डूबी हुई हैं जैसे कि वे नहरें या नदियाँ हों। सूरत नगर पालिका के आठवें जोन को नगर पालिका के सभी नौ जोनों में से मॉडल जोन कहा जाता है। इस जोन में भी इस वर्ष प्री-मानसून प्रदर्शन को लेकर काफी असंतोष रहा। पहली बारिश से कुछ जगहों पर जलभराव हो गया। लेकिन कल रात और आज सुबह से हो रही बारिश ने नगर पालिका के वीआईपी आठवां जोन की हालत खराब कर दी है.

सूरत नगर पालिका के आठवें जोन में भगवान महावीर कॉलेज, वेसू, वीआईपी रोड समेत कई सड़कों पर आज सुबह पानी भर गया। कुछ सड़कें पूरी तरह पानी में डूब गईं और सड़क नहीं बल्कि नहर होने का नजारा दूसरे दिन भी देखने को मिला.

सूरत शहर में सरस्वती स्कूल बना है और हर मानसून में इस स्कूल में बाढ़ आ जाती है. कल से भारी बारिश हो रही है और रेड अलर्ट के पूर्वानुमान के साथ आज भी भारी बारिश हो रही है। इससे एक बार फिर स्कूल में पानी भर गया। स्कूल में छात्र पढ़ रहे थे और कमर तक पानी भर जाने से छात्र-छात्राओं के साथ-साथ उनके अभिभावक भी घबरा गये. बाढ़ के कारण छात्रों को बर्खास्त कर दिया गया। हालांकि, सड़क पर कमर तक पानी होने के कारण स्कूल के शिक्षक ने छात्रों की एक श्रृंखला बनाई और उन्हें हाथ पकड़कर सड़क से बाहर निकाला.

इस स्कूल में हर साल जलजमाव होता है, लेकिन इस समस्या के समाधान के लिए नगर निगम, शिक्षा विभाग या स्कूल प्रबंधन की ओर से कोई काम नहीं किया जाता है. जिसके कारण हर साल छात्रों का जीवन खतरे में पड़ रहा है। यदि इस समस्या का स्थाई समाधान नहीं निकाला गया तो निर्दोष छात्र की जान जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

२४ घंटे में १० इंच बारिश से दा.न.ह. के संबेलाधार में पानी भर गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दा.न.ह. सेलवास में पिछले २४ घंटे में संबेलाधार में १० इंच बारिश हुई और अपस्ट्रीम में भारी बारिश से मधुबन बांध में पानी की आवक बढ़ी, दोपहर में मोवार पर ६ गेट खोले गए और ४७७३६ क्यूसेक पानी की आवक हुई जारी किया।

दा.न.ह. में पिछले तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है, जिससे नदी का जलस्तर बढ़ गया है। भारी बारिश के कारण निचले इलाकों और कुछ सोसायटियों में पानी भर गया है, जिससे धीरे-धीरे एक लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। सेलवास में २६२ मिमी (२.४९ इंच) बारिश हुई है। २४ घंटे में गिर गया

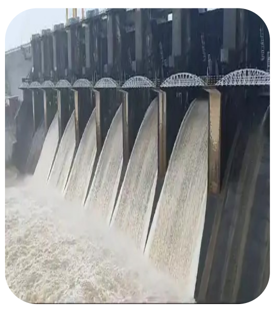

सीजन की कुल वर्षा सेलवास में ११७७.४ मिमी (४६.३५ इंच) और खानवेल में ११२८.८ मिमी (४४.४४ इंच) है, मधुबन बांध का जल स्तर ७२.७० मीटर है, बांध में वर्तमान प्रवाह २९७३८ क्यूसेक है और बहिर्प्रवाह ४७७३६ क्यूसेक है। मौसम विभाग ने तीन दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है मधुबन बांध से अनुमानित १ लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की संभावना के कारण दमनगंगा नदी से सटे गांवों के लोगों को सतर्क रहने और नदी के किनारे नहीं जाने का आग्रह किया गया है।

महिला के घर में गले में चप्पू मारकर लूटने वाले को डुंगरा पुलिस ने आरोपी मामा को गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी डुंगरा में महिला के घर में जबरन घुसकर उसके गले में चप्पू मारकर मंगलसूत्र और आभूषण लूटने वाले चाचा-भतीजों में से भानेज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसमें डुंगरा पुलिस ने आरोपी मामा को गिरफ्तार कर माल जब्त कर लिया है.

वापी के डुंगरा में दादरा चेकपोस्ट के पास पर्ल एवेन्यू बिल्डिंग में रहने वाली राधाबेन सुनीलभाई कहार ३ जुलाई को घर पर अकेली थीं। तभी दोनों एस्मास ने दरवाजे की घंटी बजाई और यह कहते हुए घर में घुस गईं कि रफीकभाई ने अपने पति सुनीलभाई के लिए चिकन भेजा है। जिसके बाद उसने उसकी गर्दन पर चप्पू रखकर महिला के गले से मंगलसूत्र और बाली लूट ली और हाथ में चप्पू लेकर भाग गया। पुलिस जांच में डकैती को अंजाम देने वाला आरोपी भतीजा आसिफ इलियास शेख सेलवास का चाचा-भतीजा निकला। साईनाथ गली टोकरखाड़ा सेलवास को गिरफ्तार किया गया। जबकि फरार आरोपी चाचा सोएब उस्मान शेख बना हुआ है. डुंगरा पुलिस ने साई निवास वाघलधारा दादरा को गिरफ्तार कर उसके पास से लूटे गए सोने के आभूषण, चप्पू और मोबाइल जब्त कर कार्रवाई की। आरोपी आरोपी सोएब उस्मान शेख अन्य ५ अपराधों में शामिल होकर गाड़ी चला रहा था. उसके खिलाफ कपराडा, धरमपुर और पारडी थाने में चोरी, डकैती और हत्या के प्रयास के कुल ५ मामले पहले से दर्ज हैं. हाल डुंगरा पीआईएस. पी। गोहिल और उनकी टीम ने आगे की जांच की।

लॉ लेवल ब्रिज पानी में डूब गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी नदी के ऊपरी हिस्से में बारिश के कारण सुपा कुरेल और बेलिमोरा उंडाच लो लेवल ब्रिज डूब गया, लोगों से ब्रिज के पास न जाने की अपील

नवसारी जिले सहित इसके अपस्ट्रीम डांग, सूरत सहित तापी जिले में भारी बारिश से

नदियों की आय में वृद्धि हुई है, जिसमें नवसारी के पूर्णा के साथ-साथ बेलीमोरा से गुजरने वाली अंबिका नदी में निचले स्तर के पुलों का पानी गर्म हो गया है। इसलिए लोगों को आप ब्रिज से आने पर रोक लगा दी गई है।

नवसारी जिले के ऊपरी इलाकों में बारिश के कारण पूर्णा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। सूपा कुरेल गांव के पास अंबिका नदी के लो लाइन ब्रिज से पानी बह निकला है, इस वजह से उस गांव से दूसरे गांव जाने वाले लोगों को नवसारी शहर आने के लिए इस लो लाइन ब्रिज का इस्तेमाल करना पड़ता है.

जिले में कावेरी नदी की गहराई में बिलीमोरा लो लाइन पूल बंद होने के बावजूद पानी ओवरफ्लो हो गया, वाहन चालकों द्वारा जान जोखिम में डालकर पार करने का वीडियो वायरल हो गया है. ऐसे पुल से गुजरने पर दुर्घटना का खतरा रहता है। नवसारी जिले में व्यापक बारिश हुई है, जिसमें दोपहर में नवसारी तालुक सहित जलालपुर तालुक में सुबह भरा पानी कम हो

91182 21822
होम लोन
कमर्शियल लोन
प्रोजेक्ट लोन
पर्सनल लोन
मोर्गेज लोन
ओ.डी.
सी.सी.

M. No.: 9898315914
CSC
Insurance
FIRST PARTY & THIRD PARTY
MOTER-BIKE, CAR, AUTO

SHIV CSC CENTER
• MOTOR INSURANCE
• LIFE INSURANCE
• HEALTH INSURANCE
• GENERAL INSURANCE
• PESONAL ACCIDENTAL
LIC
HDFC ERGO
SBI general
BAJAJ Allianz
IFFCO-TOKIO